माघ शुक्ल - 6 • संवत 2081 • वर्ष - 20 • अंक - 189 • पृष्ठ - 8 • रु. 5/- • बेंगलूरु » सोमवार » 03-02-2025 • www.dakshinbharat.com • Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सपा सनातन विरोधी पार्टी है, उसे 'गाजी और पाजी' प्यारे हैं : योगी आदित्यनाथ

6 बजट 2025-26 : आम आदमी की उम्मीदों को नई दिशा

7 महिला प्रशंसक को चूमने का वीडियो सामने आने के बाद विवादों में घिरे उदित नारायण

फर्स्ट टेक

राजस्थान के सभी विद्यालयों में 'सूर्य नमस्कार' अनिवार्य

जयपुर/भाषा। राजस्थान के सभी विद्यालयों में विद्यार्थी, शिक्षक और आमजन सोमवार को एक साथ 'सूर्य नमस्कार' करेंगे। यहां एसएमएस स्टेडियम के फुटबॉल मैदान में होने वाले कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर भी शामिल होंगे। उन्होंने सभी लोगों से इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। एक प्रवक्ता के अनुसार, राज्य के सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों में सुबह नौ बजे एक साथ सूर्य नमस्कार रखा गया है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बजट राय

बिना पढ़े वे करे समीक्षा,
अब की बार बजट है खारा।
कभी उछलता कभी फिसलता,
प्रतिदिन सूचकांक का पारा।
संभव नहीं सभी खुश होवें,
सबका बजट सदा है न्यारा।
अच्छा बजट वही है जिससे,
देश तरक्की करे हमारा।।

इस बार का बजट मध्यम वर्ग के लिए सबसे अनुकूल : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अपने अंतिम चरण में पहुंचने के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि केंद्रीय बजट से हर औसत परिवार को खुशी मिली है। उन्होंने इसे भारत के इतिहास में सबसे अधिक मध्यम वर्ग के अनुकूल बजट करार दिया।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी के आरके पुरम में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अपना चुनावी नारा 'मोदी की गारंटी' दोहराया और शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट में मध्यम वर्ग के लिए किए गए प्रावधानों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, भारत की आजादी के बाद से 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वालों को इतनी बड़ी राहत कभी नहीं मिली। मध्यम वर्ग कह रहा है कि यह भारत के इतिहास में उनके लिए सबसे अनुकूल बजट है।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली विधानसभा के लिए पांच फरवरी को होने वाले मतदान से ठीक तीन दिन पहले राष्ट्रीय प्रगति में मध्यम वर्ग के योगदान की सराहना की और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ईमानदार करदाताओं का सम्मान करती है तथा बजट राहत इसका संकेत है।

दिल्ली में 27 साल से सत्ता से बाहर चल रही भाजपा का अरविंद केजरीवाल नीत आम आदमी पार्टी (आप)से मुकाबला है। भाजपा ने रविवार को 80 चुनावी सभाएं आयोजित करने की योजना बनाई है।

भाजपा के चुनाव अभियान की अगुवाई करते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों को 'बसंत पंचमी' की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह त्योहार ऋतु परिवर्तन का प्रतीक है और दिल्ली के लोगों ने भी भाजपा सरकार चुनने का मन बना लिया है। उन्होंने अपने एक घंटे के भाषण में कहा,''बसंत पंचमी से मौसम बदलना शुरू हो जाता है। तीन दिन बाद पांच फरवरी को दिल्ली में विकास का नया 'बसंत' आएगा।

इस्लामिक स्टेट पर हवाई हमले का ट्रंप ने दिया आदेश

वाशिंगटन/एजेन्सी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सोमालिया में इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह के एक वरिष्ठ हमला योजनाकार और अन्य लोगों पर सैन्य हवाई हमले का आदेश दिया है। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ये हत्यारे, जिन्हें हमने गुफाओं में छिपा हुआ पाया, ने अमेरिका और हमारे सहयोगियों को धमकी दी। हमलों ने उन गुफाओं को नष्ट कर दिया जिनमें वे रहते थे और नागरिकों को किसी भी तरह से नुकसान पहुंचाए बिना कई आतंकवादियों को मार डाला।

भारत लाखों अवैध प्रवासियों को नहीं रख सकता : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि देश में लाखों की संख्या में अवैध प्रवासी नहीं रह सकते और चुनावी राजनीति को जनसांख्यिकीय अव्यवस्थाओं से प्रभावित होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसी के साथ उन्होंने युवाओं से राष्ट्र विरोधी बयानों को समाप्त करने की अपील की।

राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने संसद में बार-बार होने वाले व्यवधान पर भी चिंता जाहिर की।

राष्ट्रीय राजधानी में 'वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स' (डब्ल्यूओएफए) सम्मेलन के दौरान धनखड़ ने कहा कि युवाओं को अस्तित्व संबंधी चुनौतियों के बारे में चिंतित होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारे देश में लाखों अवैध प्रवासी नहीं रह सकते... हम अपनी चुनावी राजनीति को जनसांख्यिकीय अव्यवस्थाओं से प्रभावित नहीं होने दे सकते। ये चीजें आपके लिए मायने रखती हैं क्योंकि ये ऐसी चुनौतियां हैं जिनका आपको सामूहिक रूप से जवाब देना होगा।'' धनखड़ ने विस्तार से बताए बिना कहा, ''मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है...कहा जाता है कि समझदार को इशारा काफी होता है।''

भारत ने इंग्लैंड को 150 रन से हराकर श्रृंखला 4-1 से जीती

मुंबई/भाषा। आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की 54 गेंद में 135 रन की पारी के दम पर भारत ने पांचवें और अंतिम मैच टी20 अंतरराष्ट्रीय में रविवार को यहां इंग्लैंड को 150 रन के बड़े अंतर से हरा दिया।

'प्लेयर ऑफ द मैच' अभिषेक ने बल्ले कमाल करने के बाद एक ओवर में तीन रन देकर दो विकेट भी झटके। भारत ने नौ विकेट पर 247 रन बनाने के बाद इंग्लैंड की पारी को 10.3 ओवर में 97 रन पर समेट कर शृंखला को 4-1 से अपने नाम किया।

भारत की 150 रन की यह जीत अब टी20 अंतरराष्ट्रीय में रनों के अंतर से उसकी दूसरी सबसे बड़ी जीत है। टीम ने इससे पहले 2023 में न्यूजीलैंड को 168 रनों से हराया था। अभिषेक ने इस दौरान टी20 में किसी भारतीय बल्लेबाज का दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा। वह इसके साथ ही इस प्रारूप में भारत के लिए सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बन गये।

अभिषेक ने क्रीज पर आते ही मैदान के चारों ओर चौके-छक्के की झड़ी लगाकर इंग्लैंड के गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया।

यह 24 साल का खिलाड़ी किसी भारतीय बल्लेबाज के रूप में सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक (35 गेंद) के रोहित शर्मा के रिकॉर्ड को तोड़ने की ओर बढ़ रहा था लेकिन वह दो गेंद से चूक गए। उन्होंने 37 गेंदों अपना शतक पूरा किया। उन्होंने इससे पहले 17 गेंद में अर्धशतक पूरा किया था, जो किसी भारतीय के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है।

हालांकि टी20 पारी में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जब उन्होंने 17वें ओवर में ब्रायडन कार्स (38 रन पर तीन विकेट) के खिलाफ पारी का अपना 11वां छक्का लगाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने अपनी पारी में 13 छक्के लगाये। उन्होंने इस दौरान सात चौके भी लगाये। यह इस प्रारूप में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी है।

वित्त मंत्रालय
MINISTRY OF FINANCE

केन्द्रीय बजट 2025-26

बेहतर अप्रत्यक्ष कर, मजबूत आर्थिक विकास

ट्रेड फ़ैसिलिटेशन

- प्रोविजनल सीमा शुल्क मूल्यांकन के लिए 2 साल की समय सीमा तय की गई (यह 1 साल तक बढ़ाई जा सकती है)।
- स्वैच्छिक अनुपालन: आयातक/निर्यातक भौतिक तथ्यों की घोषणा कर सकते हैं और ब्याज, जुर्माना-मुक्त शुल्क का भुगतान
- आयातित इनपुट के लिए विस्तारित उपयोग अवधि: 6 महीने से 1 वर्ष तक; मासिक की जगह त्रैमासिक फाइलिंग

निर्यात को बढ़ावा

- हस्तशिल्प निर्यात की समय सीमा 1 वर्ष (+3 महीने का विस्तार) तक बढ़ा दी गई है
- घरेलू मूल्यवर्धन के लिए गीले नीले चमड़े पर पूर्ण बेसिक कस्टम्स ड्यूटी (बीसीडी) छूट
- फ्रोजन फिश पेस्ट (सुरीमी) पर बीसीडी 30% से घटाकर 5% कर दिया गया
- मरम्मत के लिए आयातित रेलवे सामानों के लिए विस्तारित निर्यात विंडो: 6 महीने से 1 वर्ष तक (+1 वर्ष का विस्तार)

घरेलू विनिर्माण को मजबूती

- कोबाल्ट पाउडर, 12 महत्वपूर्ण खनिज, लिथियम-आयन बैटरी अपशिष्ट, सीसा और जस्ता स्क्रैप पर बीसीडी छूट
- कपड़ा मशीनरी छूट का विस्तार अधिक शटल-रहित करघों तक
- एलसीडी/एलईडी टीवी पैनल के लिए ओपन सेल पार्ट्स पर बीसीडी छूट
- जहाज निर्माण और पोत तोड़ने के लिए 10 साल की बीसीडी छूट का विस्तार

सीमा शुल्क और व्यापार सुधार

- वैश्विक व्यापार को आसान बनाने के लिए निर्यात ऋण, एमएसएमई समर्थन और सीमा पार फैक्टरिंग
- निर्बाध डिजिटल व्यापार दस्तावेज़ीकरण और वित्तपोषण के लिए भारत ट्रेडनेट (बीटीएन) का शुभारंभ
- प्रमुख आपूर्ति श्रृंखलाओं और उद्योगों के लिए सुविधा समूह
- घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को सरकार का प्रोत्साहन तथा उद्योग 4.0 को अपनाना
- टियर-2 शहरों में वैश्विक क्षमता केंद्रों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय ढांचा

स्वास्थ्य देखभाल और जीवनरक्षक दवाएं

- 36 जीवनरक्षक दवाओं और 13 रोगी सहायता कार्यक्रमों पर पूर्ण बीसीडी छूट
- रियायती 5% बीसीडी सूची में 6 और दवाएं जोड़ी गई

स्कैन करें

CBC 15502/13/0005/2425

@cbic_india @cbicindia @cbicindia @CBICINDIA @CBIC india

भारत-इंडोनेशिया के संबंध साझा संस्कृति और इतिहास पर आधारित: मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और इंडोनेशिया के बीच संबंध सिर्फ भू-राजनीतिक नहीं हैं, बल्कि ये हजारों साल की साझा संस्कृति और इतिहास पर आधारित हैं तथा दोनों देशों की अनेकता में एकता की परंपरा है। मोदी ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए इंडोनेशिया के जकार्ता में श्री सनातन धर्म आलयम के महा कुंभ-अभिषेकम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

मोदी ने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मैं जकार्ता में मुरुगन मंदिर के महा कुंभ-अभिषेक का हिस्सा बना हूं। मैं भले ही जकार्ता से सैकड़ों किलोमीटर दूर हूं, लेकिन मेरा मन इस आयोजन के उतने ही करीब है, जितना भारत-इंडोनेशिया के आपसी रिश्ते...मैं महा कुंभ-अभिषेक के अवसर पर वहां के सभी लोगों को शुभकामनाएं देता हूं। मोदी ने कहा कि कुछ ही दिन पहले राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत से 140 करोड़ भारतीयों का प्यार लेकर गए हैं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है, उनके (प्रबोवो) जरिए आप सब हर भारतीय की शुभकामनाओं को वहां अनुभव कर रहे होंगे। मोदी ने कहा, मैं आप सभी को और भारत-इंडोनेशिया समेत दुनिया भर में भगवान मुरुगन के करोड़ों भक्तों को जकार्ता मंदिर के महा कुंभ-अभिषेकम की बधाई देता हूं। मेरी कामना है तिरुप्पुगल के भजनों के माध्यम से भगवान मुरुगन का यशगान होता रहे। स्कंद षष्ठी कवचम् के मंत्र सभी लोगों की रक्षा करें। उन्होंने कहा, भारत और इंडोनेशिया के लोगों के लिए, हमारे रिश्ते सिर्फ भू-राजनैतिक नहीं हैं। हम हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति से जुड़े हैं। हम हजारों वर्ष पुराने

इतिहास से जुड़े हैं। हमारा संबंध विरासत का है, विज्ञान का है, विश्वास का है। हमारा संबंध साझी आस्था का है, आध्यात्म का है। हमारा संबंध भगवान मुरुगन और भगवान श्रीराम का भी है। और, हमारा संबंध भगवान बुद्ध का भी है। उन्होंने कहा, भारत से इंडोनेशिया जाने वाला कोई व्यक्ति जब प्रम्बानन मंदिर में हाथ जोड़ता है, तो उसे काशी और केदार जैसी ही आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जब भारत के लोग काकाविन और सेरात रामायण के बारे में सुनते हैं तो उनमें वाल्मीकि रामायण, कम्ब रामायण और रामचरित मानस जैसी ही भावना जगती है। अब तो भारत में अयोध्या में इंडोनेशिया की रामलीला का मंचन होता रहता है। इसी तरह, बाली में जब हम 'ओम स्वस्ति-अस्तु' सुनते हैं, तो हमें भारत के वैदिक विद्वानों का स्वस्ति-वाचन याद आता है।

मोदी ने कहा, आपके वहां बोरोबुदुर स्तूप में हमें भगवान बुद्ध की उन्हीं शिक्षाओं के दर्शन होते हैं, जिनका अनुभव हम भारत में सारनाथ और बोधगया में करते हैं। हमारे ओडिशा राज्य में आज भी बाली जात्रा मनाया जाता है। ये उत्सव उन प्राचीन समुद्री यात्राओं से जुड़ा है, जो कभी भारत-इंडोनेशिया को व्यापारिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ती थीं। आज भी, भारत के लोग जब हवाई यात्रा के लिए 'गरुड़ इंडोनेशिया' में बैठते हैं, तो उन्हें उसमें भी हमारी साझा संस्कृति के दर्शन होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और इंडोनेशिया के संबंध मजबूत तारों से गुथे हैं। उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों इस साझी विरासत से जुड़ी कितनी ही चीजों पर बात की। उन्होंने कहा, आज जकार्ता में भगवान मुरुगन के इस नए भव्य मंदिर के जरिए हमारी सदियों पुरानी विरासत में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ रहा है। मुझे विश्वास है, ये मंदिर न केवल हमारी आस्था का, बल्कि हमारे सांस्कृतिक मूल्यों का भी नया केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा, इंडोनेशिया में विविधता की परंपरा को 'भिन्नेका तुंग्गल इका' कहते हैं जबकि भारत में हम इसे 'विविधता में एकता' कहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विविधता की यह स्वीकार्यता ही वह कारण है जिसके कारण इंडोनेशिया और भारत दोनों ही देशों में विभिन्न धर्मों के लोग इतने सद्भाव के साथ रहते हैं। उन्होंने कहा कि ''यह शुभ दिन हमें विविधता में एकता को अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

गुजरात में बस खाई में गिरने से पांच श्रद्धालुओं की मौत, 35 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डांग (गुजरात)/भाषा। गुजरात के डांग जिले में रविवार सुबह मध्य प्रदेश के तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक निजी बस के गहरी खाई में गिर जाने से पांच लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि घायलों में से 17 को गंभीर चोटें आई हैं। श्रद्धालु देश के विभिन्न राज्यों के धार्मिक स्थलों की यात्रा पर थे। प्रभारी पुलिस अधीक्षक एसजी पाटिल ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब चार बजकर 15 मिनट पर हुई, जब सापुतारा हिल स्टेशन के निकट चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया। उन्होंने बताया कि 48 तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस अवरोधक को तोड़ते हुए लगभग 35 फुट गहरी खाई में गिर गई। अधिकारी ने बताया कि पांच लोगों- दो महिलाओं और तीन पुरुषों- की मौके पर ही मौत हो गई।

अधिकारी ने बताया, पांच तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 17 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अहवा के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ अन्य को मामूली चोटें आई हैं। बचाव अभियान लगभग पूरा हो चुका है। पुलिस के अनुसार मरने वाले तीन पुरुषों और दो महिलाओं में बस चालक भी शामिल है। पाटिल ने बताया कि कुल 35 यात्रियों का निकटवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) में इलाज जारी है, जिनमें से 17 को जिले के अहवा स्थित सिविल अस्पताल रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब बस महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर से 48 श्रद्धालुओं को लेकर गुजरात के द्वारका जा रही थी। श्रद्धालु रात में त्र्यंबकेश्वर से द्वारका के लिए रवाना हुए थे।

'गिग' श्रमिकों के लिए सरकार के कदम आधे-अधूरे, राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा ढांचे की जरूरत : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि सरकार ने ई-श्रम पर 'गिग' श्रमिकों को पंजीकृत करने और उन्हें आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत शामिल करने के लिए केवल ''आधे-अधूरे'' कदम उठाए हैं। पार्टी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को ऐसे श्रमिकों के लिए एक राष्ट्रीय कानूनी और सामाजिक सुरक्षा ढांचे की आवश्यकता है।

कांग्रेस का यह हमला वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़े एक करोड़ 'गिग वर्कर्स' के लिए एक सामाजिक सुरक्षा योजना की घोषणा के एक दिन बाद आया है। सीतारमण ने कहा कि सरकार ऐसे श्रमिकों को पहचान पत्र प्रदान करेगी और ई-श्रम पोर्टल पर उनके पंजीकरण की सुविधा प्रदान करेगी। वित्त मंत्री ने कहा था कि इन श्रमिकों को पीएम-जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाएगी।

कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अब जाकर सरकार की नींद भारत के गिग श्रमिकों की समस्याओं को लेकर खुली है। इतनी देर के बाद सरकार ने केवल गिग श्रमिकों को ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत करने और आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत शामिल करने के आधे अधूरे कदम ही उठाए हैं। रमेश ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद से देश के 'गिग' श्रमिकों की प्रमुख आवाज रहे हैं।

समुद्रयान के लिए बजट में 600 करोड़ रुपए आवंटित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समुद्र की गहराई का पता लगाने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए पनडुब्बी समुद्रयान में वैज्ञानिकों को भेजने के भारत के महत्वाकांक्षी मिशन को केंद्रीय बजट 2025-26 में 'गहरे महासागर अभियान' (डीप ओशन मिशन) के लिए 600 करोड़ रुपए आवंटित किए जाने से बढ़ावा मिला है।

इस अभियान की जिम्मेदारी पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की है जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा शनिवार को पेश केंद्रीय बजट 2025-26 में 3649.81 करोड़ रुपए आवंटित किए गए जबकि उसे चालू वित्त वर्ष के लिए 3064.80 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे।

समुद्रयान अभियान के तहत गहरे समुद्र तल का पता लगाने तथा 6,000 मीटर तक पानी के भीतर जा सकने वाली मानवयुक्त पनडुब्बी बनाने, गहरे समुद्र में जैव संसाधनों के सतत उपयोग के लिए गहरे समुद्र में खनन हेतु खनन प्रणाली तथा अपतटीय ताप ऊर्जा चालित विलवणीकरण संयंत्रों के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन विकसित करने जैसी प्रौद्योगिकियों का विकास किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने मौसम के पूर्वानुमान की क्षमताओं में सुधार के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की पहल 'मिशन मौसम' के लिए 1,329 करोड़ रुपए भी आवंटित किए।

भारत की इस साल के अंत में समुद्र में 500 मीटर की गहराई तक एक मानवयुक्त पनडुब्बी भेजने और अगले साल धीरे-धीरे 6,000 मीटर की गहराई पर समुद्र तल का अन्वेषण करने की योजना है। इस पनडुब्बी को चेन्नई स्थित राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) विकसित करेगा।

गहरे महासागर अभियान का उद्देश्य गहरे समुद्र में संसाधनों का पता लगाना तथा उनके सतत उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास करना है।

झुग्गीवासियों को मताधिकार से वंचित करने की साजिश रची जा रही: केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को आरोप लगाया कि पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले झुग्गीवासियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मताधिकार से वंचित करने की एक बड़ी साजिश रची जा रही है।

केजरीवाल ने वीडियो संदेश में दावा किया कि उन्हें नौकरों के क्वार्टर, धोबी घाटों और झुग्गी बस्तियों के निवासियों के कई फोन कॉल आए हैं, जिनमें बताया गया है कि ''प्रतिद्वंद्वी पार्टी से जुड़े'' लोग मतदाताओं को तीन-तीन हजार रुपए की पेशकश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग यह कहकर लोगों को कथित तौर पर गुमराह कर रहे हैं कि निर्वाचन आयोग उनकी उंगलियों पर अमिट स्याही लगाकर उन्हें घर से ही मतदान करने की सुविधा देगा ताकि मतदान के दिन उन्हें वोट डालने से रोका जा सके। केजरीवाल ने कहा, नौकरों के क्वार्टर, धोबी घाट, हर जगह से फोन आ रहे हैं। उनकी पार्टी के लोग घर-घर जा रहे हैं और कह रहे हैं कि 3,000 रुपए लो और निर्वाचन आयोग तुम्हारे घर आकर तुम्हारा वोट डलवा देगा। बदले में तुम्हारी उंगली पर स्याही लग जाएगी। ये सुनकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। यह आप लोगों के खिलाफ बड़ी साजिश है। केजरीवाल ने कहा, अगर आप गलती से भी पैसे के बदले में स्याही लगवा लेते हैं या उनके निर्देश पर फर्जी वोट डाल देते हैं, तो वे आपके खिलाफ कार्रवाई करेंगे और आपको गिरफ्तार भी किया जा सकता है।

बदरीनाथ के कपाट इस साल चार मई को खुलेंगे

नई टिहरी/भाषा। उत्तराखंड में उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित बदरीनाथ धाम के कपाट चार मई को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। पूर्व टिहरी रियासत के महाराजा रहे मनुजेंद्र शाह ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए बदरीनाथ के कपाट चार मई को खोले जाएंगे। बसंत पंचमी पर पूर्व टिहरी राज दरबार में विशेष पूजा अर्चना करके मंदिर खोले जाने का मुहूर्त निकाला गया। राज पुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद उनियाल ने गणेश पंचांग और चौकी पूजन के बाद मनुजेंद्र शाह की जन्म कुंडली का अध्ययन और ग्रह नक्षत्रों की दशा देखकर भगवान बदरीनाथ मंदिर के कपाट खोलने की तिथि निकाली। इस मौके पर मनुजेंद्र शाह के अलावा, उनकी पत्नी और टिहरी से लोकसभा सदस्य माला राज्य लक्ष्मी शाह, बदरीनाथ के मुख्य पुजारी रावल अमरनाथ नंबूदरी, मनुजेंद्र शाह की पुत्री श्रीजा, बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी विजय थपलियाल एवं अनेक धर्माधिकारी मौजूद थे।

जमीन हड़पने के मामले की जांच को प्रभावित कर रहे सोमनाथ भारती: संबित पात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक सोमनाथ भारती पर दक्षिण दिल्ली में जमीन हड़पने के एक मामले की जांच को प्रभावित करने का आरोप लगाया।

यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पात्रा ने भारती का एक कथित ऑडियो क्लिप साझा किया और दावा किया कि मालवीय नगर से आप के विधायक ने जांच अधिकारी पर रिश्वत के बदले एक आरोपी को बचाने और उसके खिलाफ सबूत नष्ट करने का दबाव बनाया। भारती की ओर से आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई। पात्रा ने कहा कि 10 नवंबर 2023 को जैतपुर इलाके में जमीन हड़पने का मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप पत्र भी दायर किया गया था।

उन्होंने कहा कि आरोपी आप विधायक का करीबी सहयोगी था, जिसे उन्होंने बचाने की कोशिश की थी। पात्रा ने दावा किया कि भारती की जांच अधिकारी से मुलाकात का वीडियो भी उपलब्ध है, जिसे भाजपा सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट करेगी।

भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक 16 घंटे से खाड़ी में फंसे तीन लोगों को बचाया गया

भुज/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक 'हरामी नाला' के ज्वारीय धारा में फंसे एक निजी कंपनी के तीन कर्मचारियों को लगभग 16 घंटे बाद बचा लिया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

कच्छ पश्चिम के पुलिस अधीक्षक विकास सुंडा ने बताया कि ये लोग शुक्रवार को ड्रेजिंग मशीन के जरिए 'हरामी नाला' खाड़ी क्षेत्र के पूर्वी हिस्से में गुजरात हेवी केमिकल्स लिमिटेड (जीएचसीएल) की जमीन का सर्वेक्षण करने के लिए गए थे, लेकिन वे फंस गए और वापस नहीं लौट पाए। उन्होंने कहा कि जैसे ही जीएचसीएल अधिकारियों ने शनिवार सुबह पुलिस से संपर्क किया, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया।

विनिर्माण मिशन के तहत गठित समिति मुद्दों पर विस्तार से विचार करेगी : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन के तहत एक समिति गठित की जाएगी जो कारोबार की लागत में कटौती, भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार करने तथा 'मेक इन इंडिया' पहल को और बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी की उपलब्धता जैसे मुद्दों पर विस्तृत जानकारी जुटाएगी। समिति में केंद्र, राज्य और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं।

यह समिति उन प्रमुख ध्यान वाले क्षेत्रों की पहचान करेगी, जो भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं और जहां घरेलू और विदेशी, दोनों बाजारों में मांग है। समिति भविष्य की रूपरेखा को लेकर भी सिफारिशें

पेश करेगी। गोयल ने पीटीआई-भाषा से कहा, मिशन के तहत एक समिति गठित की जाएगी जो विस्तार से सभी मुद्दों की जांच करेगी, जैसे कि केंद्र और राज्यों की भूमिका। इसमें विभिन्न मंत्रालय, निजी क्षेत्र से लोग भी शामिल होंगे और वे उन क्षेत्रों के बारे में जानकारी देंगे जिनके पास भारत में बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी लाभ हैं और जिनमें निर्यात की संभावना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय मंत्रालयों और राज्यों के लिए नीतिगत समर्थन, कार्यान्वयन खाका, शासन और निगरानी ढांचा प्रदान करके 'मेक इन इंडिया' को आगे बढ़ाने के लिए छोटे, मझोले और बड़े उद्योगों को शामिल करने वाले मिशन की घोषणा की है।

मिशन के तहत पांच मुख्य ध्यान वाले क्षेत्र आएंगे। इनमें कारोबारी सुगमता और लागत; मांग वाली नौकरियों के क्षेत्र में भविष्य के लिए तैयार कार्यबल; एक जीवंत और गतिशील एमएसएमई क्षेत्र; प्रौद्योगिकी की उपलब्धता; और गुणवत्ता वाले उत्पाद।

गोयल ने कहा, हम इसके शीघ्र कार्यान्वयन के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के लिए घोषित कदमों से 'डीप टेक' और छोटे शहरों में स्टार्टअप इकाइयों के उद्यमियों को मदद मिलेगी।

'आप' बच्चों को किताबें देगी, हथियार नहीं : भगवंत मान

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मतदाताओं से 'हिंसा के बजाय शिक्षा' को चुनने का आग्रह करते हुए रविवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है।

'आप' के चुनाव अभियान के तहत जंगपुरा में एक रोड शो को संबोधित करते हुए मान ने दावा किया कि दिल्ली के लोगों ने पहले ही अपना मन बना लिया है और पांच फरवरी का मतदान केवल एक 'औपचारिकता' भर है। मान ने कहा, लोगों के पास केवल दो विकल्प हैं। एक वह पार्टी है, जो शिक्षा को प्राथमिकता देती है और दूसरी वह, जो संघर्ष से फलती-फूलती है। आपको तय करना होगा कि कौन-सा रास्ता अपनाना है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से ऐतिहासिक चौथे कार्यकाल के लिए अरविंद केजरीवाल को फिर से मुख्यमंत्री चुनने का आग्रह किया। उन्होंने 'आप' के शिक्षा और युवा सशक्तिकरण पर जोर देने का जिक्र करते हुए कहा, यह आप पर निर्भर है। आप अपने बच्चों को हथियार देना चाहते हैं या किताबें? हमारी पार्टी उनके हाथों में तलवार नहीं, बल्कि कलम और किताबें देगी। मान ने भाजपा पर भी कटाक्ष किया और उस पर धन जमा करने और चुनावी लाभ के लिए जनता के धन का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी, भाजपा ने लोगों का पैसा लूटा और अब वे इससे आपके वोट खरीदने की कोशिश करेंगे।

बजट मध्यम वर्ग के जीवन में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है: सॉलिसिटर जनरल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने रविवार को कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 देश के मध्यम वर्ग के जीवन और आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मेहता ने कहा कि बजट ने अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में खपत बढ़ाने और निवेश को बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया है।

उन्होंने कहा, आयकर दरों में किए गए महत्वपूर्ण संशोधन भारत के तेजी से बढ़ते मध्यम वर्ग के जीवन और वित्तीय स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बजट को एक 'बल गुणक' के रूप में वर्णित किया है जो रोजगार सृजन को और अधिक प्रोत्साहित करके अर्थव्यवस्था के विकास पथ को प्रोत्साहित करेगा और आगे बढ़ाएगा।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा, बजट प्रस्तावों में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक जिम्मेदार वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में बदलने के अगले चरण के लिए वित्त मंत्री द्वारा दिया गया व्यापक और दूरदर्शी खाका प्रतिबिंबित होता है, जिसमें नए युग के क्षेत्रों जैसे इलेक्ट्रिक वाहन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जीवन रक्षक दवाओं में अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) के साथ-साथ जहाज निर्माण और आतिथ्य जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा।

मेहता ने यह भी कहा कि असैन्य परमाणु ऊर्जा के विकास के उपाय आने वाले वर्षों में देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, बजट प्रस्तावों से पता चलता है कि विकसित भारत एक ऐसा विचार है जिसका समय आ गया है और जिसने वैश्विक मंच पर अपना स्थान बना लिया है।

बजट: लोकसभा को 903 करोड़ रुपए, राज्यसभा को 413 करोड़ रुपए मिले

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बजट में लोकसभा को 903 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो राज्यसभा को दी गई राशि से दोगुने से भी अधिक है। कुल 903 करोड़ रुपए में से 558.81 करोड़ रुपए का आवंटन लोकसभा सचिवालय को किया गया है, जिसमें संसद टीवी को सहायता अनुदान भी शामिल है।

राज्यसभा को आवंटित 413 करोड़ रुपए में से 2.52 करोड़ रुपए राज्यसभा सचिवालय में सभापति और उपसभापति के वेतन और भत्ते के लिए आवंटित किए गए हैं। राज्यसभा के बजट में विपक्ष के नेता और उनके सचिवालय के वेतन और भत्तों के लिए 3 करोड़ रुपए का अलग से आवंटन किया गया है। बजट में सदस्यों के लिए 98.84 करोड़ रुपए भी आवंटित किए गए हैं। लोकसभा के लिए, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन और भत्ते के लिए 1.56 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं और विपक्ष के नेता के लिए कोई अलग प्रावधान नहीं है।

दस वर्षों तक लोकसभा में विपक्ष का कोई नेता नहीं था, क्योंकि किसी भी विपक्षी दल के पास इस पद के लिए आवश्यक संख्या बल नहीं था। लोकसभा के बजट में सदस्यों के लिए 338.79 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

भारत हमारा वैश्विक निर्यात केंद्र, 65 देशों को भेज रहे वाहन: निसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में निर्मित कॉम्पैक्ट एसयूवी 'मैग्नाइट' के एलएचडी संस्करण का निर्यात शुरू करने के साथ ही जापानी वाहन कंपनी निसान के लिए भारत एक वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में उभरा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही।

निसान इंडिया के परिचालन अध्यक्ष फ्रैंक टॉरेस ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी भारतीय बाजार के लिए पहले से घोषित उत्पादों के अलावा हाइब्रिड और सीएनजी वाहनों को भी उतारने पर पर विचार कर रही है। निसान ने विदेशों में निर्यात के लिए बाएं हाथ से ड्राइव (एलएचडी) वाली मैग्नाइट की 10,000 इकाइयों की आपूर्ति शुरू कर दी है।

टॉरेस ने कहा, भारत निसान के लिए वैश्विक निर्यात केंद्रों में से एक के रूप में आगे बढ़ रहा है। मैग्नाइट के बाएं हाथ के ड्राइव संस्करण के निर्यात की शुरुआत के साथ हम अब कुल 65 देशों को इसका निर्यात करेंगे। इस तरह भारत निसान के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक निर्यात केंद्रों में से एक बन जाएगा। निसान मोटर इंडिया पहले 20 देशों को मैग्नाइट का निर्यात कर रही थी लेकिन अब यह 45 अन्य देशों में भी बाएं हाथ के ड्राइव संस्करण के रूप में भेजी जा रही है। इस महीने कंपनी ने पश्चिम एशिया, उत्तरी अफ्रीका और एशिया-प्रशांत क्षेत्रों में 2,000 इकाइयों और मेक्सिको सहित चुनिंदा लैटिन अमेरिकी बाजारों में एलएचडी मैग्नाइट की 5,100 से अधिक इकाइयों का निर्यात करने की योजना बनाई है। इस महीने के अंत तक मैग्नाइट के एलएचडी संस्करण की 10,000 से अधिक इकाइयों की कुल आपूर्ति होने की संभावना है। इसके साथ ही टॉरेस ने आश्वस्त किया कि निसान और होंडा के संभावित विलय से कंपनी की नए उत्पादों की घोषित योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। निसान ने भारतीय बाजार में मझोले आकार के दो एसयूवी मॉडल और एक इलेक्ट्रिक एसयूवी उतारने की घोषणा की हुई है। इसके साथ ही कंपनी ने अगले वित्त वर्ष के अंत तक भारत में अपने घरेलू और निर्यात मात्रा को तीन गुना बढ़ाकर एक लाख इकाई प्रति वर्ष करने का लक्ष्य भी रखा है। भारतीय बाजार के लिए पहले घोषित सभी योजनाएं पटरी पर हैं और निकट भविष्य में वृद्धि को तेज करने के लिए और कदम उठाने के बारे में भी सोचा जा रहा है। उन्होंने कहा, हम अपनी कारों में हाइब्रिड और सीएनजी जैसे नए ईंधन विकल्प देने का भी अध्ययन कर रहे हैं। ईवी की घोषणा पहले ही हो चुकी है, जिसे हम वित्त वर्ष 26 के अंत से पहले पेश करेंगे।

अगले तीन वर्षों में बेंगलूरु दक्षिण जिले और चन्नपटना निर्वाचन क्षेत्र की छवि बदल जाएगी : उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चन्नपटना। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, मतदाताओं ने इस जिले में चार निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस के विधायकों को चुना है और सरकार को ताकत दी है। अगले तीन वर्षों में सभी नेता चन्नपटना और पूरे जिले की छवि बदलने के लिए एक साथ आएंगे। रविवार को डी.के. शिवकुमार ने चन्नपटना में आयोजित आभार सम्मेलन में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि यह कर्ज उतारने का कार्यक्रम है। आपने हमें जो ताकत दी है, उसके लिए आपको बधाई देने के लिए हमने यह कार्यक्रम आयोजित किया है। बेलगावी अधिवेशन की शताब्दी के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम दो बार स्थगित किया गया था। आज सुबह मुख्यमंत्री को चोट लग गई उन्होंने कहा, उनके पैर में चोट है और डॉक्टर की सलाह पर वे इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। शिवकुमार ने कहा कि मैं इस चुनाव में दिन-रात काम करने वाले सभी नेताओं, मंत्रियों और कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं। आपने विकास के लिए वोट दिया। मैं 1989 से इस जिले में विधायक के तौर पर काम कर रहा हूं। आपने पहली बार कांग्रेस पार्टी के लिए चार सीटें जीती हैं।

उन्होंने कहा, मुझे किसी की आलोचना करने की जरूरत नहीं है। आपकी प्रतिक्रिया देवेगौड़ा, कुमारस्वामी, येडीयुरप्पा समेत भाजपा और दल के सभी नेताओं को करारा जवाब है, जिन्होंने हमें अपूर्व बंधु कहा और हमारे बारे में अपमानजनक बातें कहीं। आपने न केवल भाजपा और दल के नेताओं को जवाब दिया है, बल्कि भाजपा और दल के नेताओं को भी करारा जवाब दिया है, जिन्होंने हमें अपूर्व बंधु कहा और हमारे बारे में अपमानजनक बातें कहीं। उन्होंने कहा कि चन्नापटना, आपने पूरे देश को संदेश दिया है।

हमारी शक्ति शाश्वत है, हम जो करते हैं वह है उपलब्धियां की बात हैं, मतदाता भगवान हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में विधायक की सीट खाली होने के बाद, मैं निर्वाचन क्षेत्र की हर बस्ती में गया और सरकार को उनके दरवाजे तक पहुंचाया और 25,000 से अधिक लोगों से आवेदन प्राप्त किए। 19,000 से अधिक लोगों ने यह कहते हुए आवेदन किया कि उनके पास घर, प्लॉट, जमीन या आवास नहीं है। चुनाव से पहले मैंने वादा किया था कि यह निर्वाचन क्षेत्र मेरी जिम्मेदारी होगी। मैं अब भी यही कहता हूं। मैं कहूंगा। यहां सिर्फ योगेश्वर ही नहीं, मैं निर्वाचन क्षेत्र का उम्मीदवार भी हूं। मैं, योगेश्वर, बालकृष्ण, इकबाल हुसैन, उन्होंने वादा किया, विधान परिषद सदस्य पुत्तना, रवि, रामोजी गौड़ा और डी.के. सुरेश अपने सहयोग से जिले में बदलाव लाएंगे। उन्होंने कहा, मैं अगले सप्ताह फिर से निर्वाचन क्षेत्र में आऊंगा और वादे को पूरा करने के लिए किए गए कार्यों की समीक्षा करूंगा। चुनाव के दौरान मैंने कुमारस्वामी से पूछा था कि विधायक और मुख्यमंत्री के तौर पर उन्होंने क्या हासिल किया है। योगेश्वर ने कई मंदिर बनवाए हैं, जिनमें से कौन सा मंदिर आज भी मौजूद है। क्या आपने निर्माण कराया, क्या आपने स्कूल के लिए 2 एकड़ जमीन दान की? मैंने उन्हें चुनौती दी। उन्होंने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया, उन्होंने कहा।

आपने दिखा दिया है कि आप चन्नपटना के मतदाताओं पर राख नहीं फेंक सकते। आपने हमें और गारंटी योजना के लिए वोट दिया। हमने इस निर्वाचन क्षेत्र के लिए 600 करोड़ रुपये का अनुदान लाकर काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, मैंने आपसे यह तय करने की अपील की थी कि क्या आप विकास चाहते हैं या चुनाव आने पर आंसू। आपने विकास को चुना है।

उन्होंने कहा, दूध उत्पादकों की समस्या हमारे ध्यान में है। हम उचित समय पर उचित निर्णय लेंगे। आपने पैसे को नहीं, बल्कि गुणवत्ता को महत्व दिया। जब मैं पहली बार यहाँ आया था, तो आपने जो प्यार और भरोसा मुझ पर दिखाया था, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। मैंने केंगल अंजनेयास्वामी मंदिर में प्रार्थना की और आपसे हमारे लोगों की रक्षा करने की प्रार्थना की। हमारे यहाँ राम के भक्त अंजनेया को समर्पित मंदिरों की संख्या, भगवान के भक्त अंजनेया को समर्पित मंदिरों से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा, यह मंदिर राम के पिता दशरथ को समर्पित है। समाज अंजनेया को राम का सेवक मानता है। उन्होंने कहा, मीडिया ने कहा था कि आप संदूर को छोड़कर तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में से किसी में भी नहीं जीतेंगे। सभी सर्वेक्षण नकारात्मक थे। मैंने कहा था, 'इसे लिख लीजिए।'

मैंने कहा था कि हमारी सरकार की ताकत 135 नहीं, बल्कि 138 है। हमारे पास 138 विधायक थे। उन्होंने कहा, मैंने कहा था कि हम पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई और कुमारस्वामी के बेटे के खिलाफ जीतेंगे। आपने भी वही परिणाम दिया है। आपने दिया है। पार्टी कार्यकर्ताओं को समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। हमें बेंगलूरु दक्षिण जिले को नया रूप देने और इस क्षेत्र के लोगों की संपत्ति का मूल्य बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। हमें एक व्यक्ति के लिए पार्टी का बलिदान करने की बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, योगेश्वर, वरिष्ठ और जिनके पास अनुभव है, वे सबको साथ लेकर चलेंगे। मैं, सिद्धारमैया और पूरी सरकार आपके साथ खड़ी रहेगी।

'एयरो शो' के कारण बेंगलूरु हवाई अड्डे ने हवाई क्षेत्र बंद करने के समय में संशोधन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु,। बेंगलूरु में केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) ने 'एयरो इंडिया शो 2025' के मद्देनजर पांच से 14 फरवरी तक हवाई क्षेत्र बंद किए जाने की संशोधित समयसारणी के बारे में रविवार को एक परामर्श जारी किया। केआईए द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पांच, छह और आठ फरवरी को सुबह नौ से दोपहर 12 बजे और अपराह्न तीन से शाम चार बजे हवाई क्षेत्र बंद रहेगा।

हवाई क्षेत्र सात और नौ फरवरी को सुबह नौ से 11 बजे तक बंद रहेगा। यह सात फरवरी को अपराह्न तीन बजे से शाम साढ़े चार बजे तक भी बंद रहेगा। यह 10 फरवरी को सुबह नौ से पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे और अपराह्न ढाई बजे से साढ़े तीन बजे तक बंद रहेगा।

हवाई क्षेत्र 11 और 12 फरवरी को दोपहर 12 बजे से अपराह्न ढाई बजे के बीच बंद रहेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 13 और 14 फरवरी को हवाई क्षेत्र सुबह साढ़े नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा अपराह्न ढाई बजे से शाम पांच बजे तक बंद रहेगा। केआईए ने यात्रियों को संशोधित या अद्यतन उड़ान कार्यक्रम के विवरण के लिए अपनी संबंधित विमानन कंपनियों से संपर्क करने की भी सलाह दी है। 'एयरो इंडिया शो' पांच से 14 फरवरी के बीच येलहंका के वायु सेना स्टेशन पर आयोजित किया जाएगा।

सिद्दरामय्या ने घुटने के दर्द के कारण अपना दौरा रद्द किया

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने घुटने के दर्द के कारण रविवार को चिक्काबल्लापुरा और रामनगर का अपना प्रस्तावित दौरा रद्द कर दिया। एक अधिकारी ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, मुख्यमंत्री को अचानक घुटने में दर्द हुआ और वह जांच के लिए एक निजी अस्पताल गए हैं। अधिकारी ने बताया कि सिद्दरामय्या को पहले 'लिगामेंट' की दिक्कत हुई थी जिसका उपचार किया गया था और रविवार को यह फिर से उभर आया। हालांकि, अधिकारी ने कहा कि यह मामूली दिक्कत है और मुख्यमंत्री स्वस्थ हैं तथा चिंता की कोई बात नहीं है।

अदालत ने अधिवक्ता संघ में एससी/एसटी, ओबीसी कोटा का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज की

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शनिवार को बेंगलूरु अधिवक्ता संघ (एएबी) की शासी परिषद में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण का अनुरोध करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया।

न्यायमूर्ति आर. देवदास ने अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग अधिवक्ता फाउंडेशन और कर्नाटक एससी/एसटी, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक अधिवक्ता संघ द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया और याचिकाकर्ताओं को अपना मामला उच्चतम न्यायालय में ले जाने की सलाह दी। याचिकाकर्ताओं ने हाल ही में उच्चतम न्यायालय के एक आदेश का हवाला देते हुए एएबी की शासी परिषद में जाति-आधारित आरक्षण का अनुरोध किया था, जिसमें निकाय में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया था। हालांकि, उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि उच्चतम न्यायालय का निर्देश संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत जारी किया गया था, जो उसे पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक आदेश पारित करने की विशेष शक्तियां प्रदान करता है।

आईयूएमएल ने मलप्पुरम विभाजन के मुद्दे पर समर्थन का संकेत दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम/भाषा। केरल में विपक्षी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) में दूसरे सबसे बड़े घटक दल 'इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग' (आईयूएमएल) ने उत्तरी मलप्पुरम जिले के विभाजन के लिए अपना समर्थन जताया है, बशर्ते सरकार विकास के आधार पर ऐसा निर्णय ले। आईयूएमएल के वरिष्ठ नेता एवं विधायक पी.के. कुन्हलिकुट्टी ने कहा कि संदर्भ से हटकर इस तरह की मांग करके पार्टी ने लोगों के बीच कभी भी भ्रम फैलाने का प्रयास नहीं किया। वह हाल ही में यहां एक साहित्य महोत्सव में चर्चा के दौरान एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि यदि मामला विकास के मुद्दे के तौर पर उठता है तो उचित निर्णय लिया जा सकता है और इस तरह के निर्णय सरकारी तंत्र लेता है। उन्होंने कहा कि यह सरकार पर निर्भर है कि वह जनसंख्या और अन्य प्रासंगिक कारकों के आधार पर केरल में एक नया जिला बनाए जाने का निर्णय ले। अगर ऐसी कोई चर्चा होती है तो पार्टी विचार-विमर्श करेगी और उचित तरीके से रुख स्पष्ट करेगी। कुन्हलिकुट्टी ने कहा, ''अगर विकास के लिए विभाजन जरूरी है, तो इसे लागू किया जाना चाहिए।'' उन्होंने ये टिप्पणियां आईयूएमएल प्रमुख सैय्यद सादिक अली शिहाब थंगल की मौजूदगी में कीं। मलप्पुरम उत्तरी केरल का एक मुस्लिम बहुल जिला है।

आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध द्रमुक सरकार : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को कहा कि उनकी द्रविड़ मॉडल सरकार आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य की समृद्ध प्राकृतिक विरासत की रक्षा के लिए बढ़-चढ़कर कदम उठाती रहेगी। मुख्यमंत्री ने एक्स' पर पोस्ट किया, इस विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर मुझे रामनाथपुरम जिले में दो और स्थलों-सक्करकोट्टई और थेर्थंगल पक्षी अभयारण्यों को रामसर स्थल के रूप में नामित करने की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है, जिससे तमिलनाडु में रामसर स्थलों की कुल संख्या बढ़कर 20 हो जाएगी, जो देश में सबसे अधिक है।

आखिरी नक्सली लक्ष्मी ने किया पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी। कर्नाटक में आखिरी नक्सली बतायी जा रही लक्ष्मी ने रविवार को उडुपी की उपायुक्त विद्या कुमारी और पुलिस अधीक्षक अरुण के के सामने रविवार को बिना शर्त समर्पण किया। पुलिस के अनुसार लक्ष्मी आंध्र प्रदेश में छिपी हुई थी और उसपर उडुपी जिले में कुंदापुर तालुक के अमासेबेल और शंकरनारायण थानों में तीन मामले दर्ज हैं। ये मामले 2007-2008 के हैं और ये पुलिस के साथ मुठभेड़, हमला और गांवों और छोटे शहरों में माओवादी साहित्य सामग्री पहुंचाने से संबंधित हैं।

पुलिस का कहना है कि लक्ष्मी मूल रूप से कुंदापुरा तालुक में चद्यातू गांव के थोम्बाटू की रहने वाली है। पुलिस के अनुसार जब वह आत्मसमर्पण के लिए पहुंची तब उसके साथ राज्य नक्सली आत्मसमर्पण समिति के सदस्य श्रीपाल और उसके पति सलीम थे। सलीम एक पूर्व नक्सली है जिसने 2020 में आंध्रप्रदेश में आत्मसमर्पण किया था। पंद्रह साल पहले अपने परिवार से संबंध विच्छेद करने के बाद लक्ष्मी भूमिगत हो गई थी तथा चिकमंगलूर तथा उडुपी जिलों में नक्सली एजेंडे को आगे बढ़ाने में सक्रिय हो गयी थी।

लक्ष्मी ने रविवार को आत्मसमर्पण के बाद पत्रकारों से कहा, ''मैंने जिला अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की क्योंकि कर्नाटक सरकार द्वारा आत्मसमर्पण प्रोटोकॉल और पैकेज की घोषणा के बाद मैं आत्मसमर्पण करना चाहती थी, लेकिन किसी कारणवश ऐसा नहीं हो सका। अब जब आत्मसमर्पण समिति का गठन हो गया है, तो मेरा आत्मसमर्पण आसान हो गया है।'' उसने उदार आत्मसमर्पण पैकेज के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को धन्यवाद दिया और जिला प्रशासन से अपील की कि कुंदापुर तालुका के अमासेबेल और शंकरनारायण के थानों में दर्ज मामलों में उसके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से उसे मुक्त किया जाए।

उपायुक्त विद्या कुमारी ने बताया कि लक्ष्मी आत्मसमर्पण के लिए 'ए' श्रेणी की उम्मीदवार है और आत्मसमर्पण पैकेज के नियम के अनुसार इस श्रेणी में आने वाले नक्सलियों को सात लाख रुपए की राशि दी जाती है। कुमारी ने बताया कि 'ए' श्रेणी कर्नाटक राज्य से आने वाले नक्सलियों के लिए निर्धारित की गई है। राज्य आत्मसमर्पण समिति के श्रीपाल ने पत्रकारों को बताया कि समिति ने सरकार से सिफारिश की है कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के खिलाफ दर्ज मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाए, ताकि उन्हें समाज में सामान्य जीवन जीने में मदद मिल सके।

बच्चों ने जीता वर्ल्ड विश्व रिकॉर्ड पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हाल ही में बेंगलूरु प्रेस क्लब में शहर के वसंतपुरा सरकारी स्कूलके बच्चों के लिए एक पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया, जिन्होंने 'हाई रेंज बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड' जीता। संस्था की संस्थापक डॉ. अंबिका सी ने विश्व नृत्य दिवस समारोह के अंतर्गत बेंगलूरु की आर्टिकल एंड एजुकेशन संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बच्चों को यह पुरस्कार प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। हिरोशिमा और नागासाकी बम हमलों के प्रभावों पर लघु नाटक 'सदाको' कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध कलाकार जॉन देवराज ने किया, जिन्होंने लुप्तप्राय बाघ और हंस के नृत्य प्रदर्शन का निर्देशन भी किया है।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाचार पत्र 'दिस इवनिंग' के संपादक डॉ. जी. वाई पद्मा नागराज ने सरकारी स्कूल के बच्चों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को समाज के आदर्श व्यक्तियों के संदेशों का अनुसरण करना चाहिए। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल दलित संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष मावली शंकर ने कहा कि बच्चों को समाज के आदर्श व्यक्तियों के संदेशों का अनुसरण करना चाहिए। बाबासाहेब अम्बेडकर और बुद्ध के संदेशों को आत्मसात करें और समाज में अच्छे व्यक्ति बनें।

बेंगलूरु विश्वविद्यालय की प्रोफेसर समता बी. देशमाने ने अत्यंत गरीबी में उच्च डिग्री हासिल करने वाले सात भाई-बहनों की उपलब्धि के बारे में बताया और कहा कि उनकी बहन डॉ. विजयलक्ष्मी देशमाने को उनकी सेवा और त्याग के प्रतीक के रूप में आज पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। उन्होंने छात्रों से इस संबंध में उच्च शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

दिवंगत प्रसिद्ध कवि डॉ. सिद्धलिंगैया की पत्नी रामकुमारी ने बच्चों की उपलब्धियों की सराहना की तथा उनसे बड़े होकर अच्छे नेता बनने का आह्वान किया। कर्नाटक वर्किंग जर्नलिस्ट फोरम के राज्य अध्यक्ष के. शांताकुमारी ने कहा कि अभिभावकों और समाज को बच्चों की प्रतिभा को पहचानना चाहिए और उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए। इस अवसर पर पत्रकार जगदीश व विक्रम ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया।

'एयर इंडिया एक्सप्रेस' ने मंगलूरु और दिल्ली के बीच दैनिक सीधी उड़ान सेवा शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक में हवाई संपर्क सुविधा में सुधार करने के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस' ने मंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमआईए) और दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बीच दैनिक सीधी उड़ान सेवा शुरू की है। एमआईए के प्रवक्ता की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पहली उड़ान एक फरवरी को सुबह छह बजकर 40 मिनट पर मंगलूरु से रवाना हुई और सुबह नौ बजकर 35 मिनट पर दिल्ली पहुंची। इसके साथ ही एक उड़ान सुबह छह बजकर 40 मिनट पर दिल्ली से रवाना होकर नौ बजकर 35 मिनट पर मंगलूरु पहुंची।

मंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयरोड्रोम बचाव एवं अग्निशमन (एआरएफएफ) इकाई ने पहली उड़ान के यहां पहुंचने पर पानी की बौछारों से उसका स्वागत किया। पहली उड़ान से 167 यात्री दिल्ली पहुंचे, जबकि 144 यात्री दिल्ली से मंगलूरु आए।

समुद्री सुरक्षा का अभिन्न अंग हैं भारतीय तटरक्षक : राज्यपाल

भारतीय तटरक्षक स्थापना दिवस कार्यक्रम में राज्यपाल ने भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने मंगलूरु स्थित तटरक्षक मुख्यालय में आयोजित 49वें भारतीय तटरक्षक स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल गहलोत ने कहा, भारतीय तटरक्षक बल, जो दुनिया के सबसे बड़े तटरक्षक बलों में से एक है, भारत की समुद्री सुरक्षा का एक अभिन्न अंग है। अपनी स्थापना के बाद से, भारतीय तटरक्षक बल ने भारत की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा तथा समुद्री कानूनों के समुचित प्रवर्तन के लिए पूर्ण समर्पण, निष्ठा और साहस के साथ कार्य करना।

उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल के जवानों की सतर्कता, साहस और बहादुरी के कारण ही हमारे तटीय क्षेत्र सुरक्षित हैं और देश का समुद्री व्यापार और आर्थिक ढांचा भी मजबूत है। समुद्री व्यापार और परिवहन वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। पिछले दो दशकों में देश में हुई आर्थिक वृद्धि ने समुद्री व्यापार और वाणिज्य के महत्व को स्थापित कर दिया है। वैश्विक रुझान स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के कारण घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर समुद्री यातायात में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भारतीय तटरक्षक बल ने पूर्वी एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व के कई देशों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं और लगातार संयुक्त अभ्यासों में भाग ले रहा है।

भारतीय तटरक्षक अधिकारियों और कार्मिकों ने प्राकृतिक आपदाओं और कर्नाटक में आए टाउत, गुलाब, शाहीन, फेंगल जैसे चक्रवातों के दौरान जान-माल की रक्षा की है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि मछुआरों की सुरक्षा के अलावा, आप सामुदायिक संचार कार्यक्रम के माध्यम से मछुआरों के बीच सुरक्षा और संरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल का आदर्श वाक्य वयं रक्षाम है, जिसका अर्थ है हम सभी की रक्षा करते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय तटरक्षक बल अपने आदर्श वाक्य को ध्यान में रखते हुए कुशलतापूर्वक कार्य करता रहेगा। मैं भारतीय तटरक्षक बल के प्रत्येक सदस्य को उनके अनुकरणीय साहस और सेवा के लिए बधाई देता हूं। इस मौके पर कर्नाटक तटरक्षक कमांडर प्रवीण कुमार मिश्रा और अन्य उपस्थित थे।

युवाओं की उम्मीदों को पूरा करेगी राज्य सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश और प्रदेश की उन्नति में युवाओं का अहम योगदान बताते हुए कहा है कि राजस्थान के युवाओं की उम्मीदों को राज्य सरकार पूरा करेगी। शर्मा ने रविवार को जयपुर में आयोजित 16वीं जयपुर मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया और इस अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान शक्ति, भक्ति और स्वाभिमान का प्रदेश है। यहां का युवा विश्वास और कड़ी मेहनत से आगे बढ़ रहा है और राजस्थान को देश का अग्रणी प्रदेश बनाने के संकल्प में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार भी युवाओं के सपनों को साकार करने का पूर्ण प्रयास कर रही है।

उन्होंने इस तरह की मैराथन के आयोजन आवश्यक बताते हुए कहा कि इससे स्वस्थ रहने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि युवाओं का देश और प्रदेश की उन्नति में अहम योगदान है। राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश शिक्षा, चिकित्सा, खनिज एवं पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में निरन्तर प्रगति कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश अगले वर्ष खेलो इंडिया गेम्स की मेजबानी करेगा, जिसमें युवाओं की सहभागिता महत्वपूर्ण होगी। राज्य सरकार ने खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और संभाग स्तर पर खेल महाविद्यालय खोलने का मार्ग भी प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट के सफल आयोजन से जिलों में औद्योगिक निवेश आ रहा है। इससे प्रदेश के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा। साथ ही राज्य सरकार चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी के अवसर भी उपलब्ध कराएगी। शर्मा ने मैराथन विजेताओं को चैक प्रदान कर सम्मानित भी किया।

बीकानेर में भूकंप का झटका

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के बीकानेर में रविवार अपराह्न को भूकंप का झटका महसूस किया गया। हालांकि इससे किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार बीकानेर एवं आसपास के कुछ इलाकों में रविवार अपराह्न 12.58 बजे भूकंप का झटका महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनएससी) की वेबसाइट के अनुसार इस भूकंप का केंद्र बीकानेर के पास जमीन से दस किलोमीटर नीचे था और रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई। अधिकारियों के अनुसार भूकंप से जानमाल के किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने वनस्पति आधारित त्वचा देखभाल उत्पाद लॉन्च किए

जयपुर। आयुष मंत्रालय के तहत मानद विश्वविद्यालय राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) ने वनस्पति आधारित कॉस्मेटिक उत्पाद पेश किए हैं जिनका उद्देश्य त्वचा की देखभाल के लिए सुरक्षित, रसायन मुक्त विकल्प प्रदान करना है। इन उत्पादों में फुट केयर क्रीम, एलोवेरा जेल, लिप बाम और विभिन्न प्रकार के हर्बल साबुन शामिल हैं।

इन उत्पादों में त्वचा देखभाल के प्रभावी समाधान प्रदान करने के लिए वनस्पति अर्क का उपयोग किया गया है। एनआईए के कुलपति संजीव शर्मा ने कहा, आयुर्वेद में हमेशा प्रकृति और मानव स्वास्थ्य के बीच सामंजस्य पर जोर दिया गया है। हमारा मिशन इस ज्ञान को रोजमर्रा की त्वचा की देखभाल में लाना है, ताकि लोगों को सुरक्षित, प्रभावी और टिकाऊ उत्पाद मिल सके। उन्होंने बताया कि संस्थान इन उत्पादों को व्यापक स्तर पर बाजार में उतारने की दिशा में काम कर रहा है।

स्कूल में शौचालय की दीवार ढहने से सात वर्षीय छात्रा की मौत, तीन शिक्षक निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में एक सरकारी स्कूल में शौचालय की दीवार ढहने से सात वर्षीय बच्ची दब गई जिसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच के बाद जिला शिक्षा विभाग ने कथित लापरवाही के लिए शनिवार को स्कूल के तीन शिक्षकों को निलंबित कर दिया और विस्तृत जांच के आदेश दिए। क्षेत्राधिकारी सत्यनारायण मालव ने बताया कि दरबेची गांव के सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में पहली कक्षा की छात्रा रोहिणी शुक्रवार दोपहर को उस समय घायल हो गई जब वह शौचालय के अंदर थी। उन्होंने कहा कि जर्जर शौचालय की दीवार बच्ची पर गिर पड़ी जिससे वह दब गई।

पुलिस ने बताया कि स्कूल स्टाफ ने लड़की के माता-पिता को इसकी सूचना दी, जो उसे सुल्तानपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। पुलिस ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे उच्च स्वास्थ्य केंद्र के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उसे कोटा के एक निजी अस्पताल ले गए जहां शुक्रवार शाम को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शनिवार को लड़की के माता-पिता ने स्कूल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। घटना से गुस्साए लड़की के परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर दरबेची रोड पर विरोध प्रदर्शन किया।

पुलिस के अलावा उप अनुमंडल अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिवार को 5.50 लाख रुपये मुआवजा देने का आश्वासन दिया। पुलिस ने बताया कि परिवार को मौके पर ही 3.50 लाख रुपये सौंप दिए गए तथा शेष राशि जल्द देने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद विरोध प्रदर्शन समाप्त हो गया।

एक साथ सूर्य नमस्कार कर आज फिर इतिहास रचेगा राजस्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सोमवार को सूर्य सप्तमी के पूर्व दिवस पर सभी विद्यालयों में विद्यार्थी, शिक्षक और आमजन एक साथ सूर्य नमस्कार कर एक बार फिर इतिहास रचा जाएगा। प्रदेशभर के राजकीय एवं निजी विद्यालयों में बच्चे, शिक्षक एवं आमजन एक साथ सूर्य नमस्कार कर भारतीय पारंपरिक योग प्रणाली द्वारा स्वस्थ जीवन जीने का संदेश देंगे। पिछले वर्ष राज्य में 1.33 करोड़ विद्यार्थियों ने एक साथ सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। पिछले वर्ष के रिकॉर्ड के मद्देनजर इस बार के आयोजन में और अधिक उत्साह देखने को मिलेगा। राज्य के सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों में प्रात: 9:00 बजे एक साथ सूर्य नमस्कार रखा गया है। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर एसएमएस स्टेडियम के फुटबॉल मैदान में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होकर सूर्य नमस्कार करेंगे।

दिलावर ने सभी प्रदेशवासियों से सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि पिछली बार आयोजन में 78,974 विद्यालयों के 1.33 करोड़ विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इस बार सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्कूल स्टाफ, एसएमसी, एसडीएमसी के सदस्यों के साथ अभिभावक एवं आमजन भी इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनेंगे। मदन दिलावर के निर्देशानुसार इस बार कक्षा एक से पांच तक के बच्चों को भी सूर्य नमस्कार का भागीदार बनाया जाएगा। छोटे बच्चों को यथा शक्ति सूर्य नमस्कार के दो से तीन चरण ही कराए जाएंगे। अन्य सभी इसके 10 चरण करेंगे। प्रदेश के सभी विद्यालयों में इसके लिए एक सप्ताह पहले से ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जा रहा है।

बीमार या ऐसे विद्यार्थी या शिक्षक या अभिभावक, जो हाल में किसी शल्य प्रक्रिया से गुजरे हों, वे इसका हिस्सा नहीं होंगे। क्रीड़ा भारती संस्था सूर्य नमस्कार में सभी विद्यालयों एवं शिक्षक संस्थाओं का सहयोग करेगी। संस्था से जुड़े एक्सपर्ट विद्यालयों में व्यक्तिगत तौर पर सूर्य नमस्कार का वैज्ञानिक महत्व बताएंगे। साथ ही नमस्कारासन, हस्तोत्तानासन सहित योग की सभी क्रियाओं को लाइव करके समझाएंगे ताकि प्रतिदिन विद्यालयों में प्रार्थना सभा के वक्त इसका अभ्यास कराया जा सके।

इस अवसर पर दिलावर ने कहा कि सूर्य नमस्कार एक आयोजन नहीं, बल्कि एक दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन लाना और उनके स्वास्थ्य से जुड़ा होना चाहिए। इस बार हम सूर्य नमस्कार में पिछले वर्ष बनाए गए विश्व रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर राजस्थान के पास पूरी दुनिया के लिए अहम सीख है : लेखक मार्टिन गुडमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लेखक एवं पर्यावरण संरक्षणवादी मार्टिन गुडमैन ने बिश्नोई समुदाय के नियमों तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर पूरी दुनिया को दी गई सीख पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह समुदाय आज भी अपने संस्थापक गुरु जम्भेश्वर या जम्भोजी की ओर बनाए गए 29 नियमों का पालन करता है जिनमें से एक पेड़ों का संरक्षण है। राजस्थान के जोधपुर के पास खेजड़ी के पेड़ों के संरक्षण के लिए 1730 में बिश्नोई समुदाय के 363 लोगों की शहादत की कहानी को पर्यावरण संरक्षण के पहले आंदोलन में से एक माना जाता है, जिसने 'चिपको आंदोलन' को जन्म दिया।

'जयपुर साहित्य महोत्सव' (जेएलएफ) में 'द फर्स्ट इको-वॉरियर्स: द एक्स्ट्राऑर्डिनरी स्टोरीज ऑफ द बिश्नोई' नाम के सत्र को संबोधित करते हुए गुडमैन ने कहा, 15वीं शताब्दी में जम्भोजी ने भयंकर सूखे के समय में जीवन यापन के लिए 29 नियम बनाए थे। यह वह समय था यूरोप में सबसे बड़ा सूखा पड़ा था और हर जगह इसी तरह के हालात थे।

उन्होंने कहा कि प्रतिकूल मौसम में भी राजस्थान में अच्छे से जीवन यापन करने का एक कारण यह है कि पीढ़ी दर पीढ़ी बिश्नोई समुदाय के लोग उन नियमों का पालन करते आ रहे हैं। गुडमैन ने कहा, मैं उस पेड़ के नीचे बैठा था जहां जम्भोजी का निधन हुआ। यह बात 2022 की है। उस दिन राजस्थान में 37 डिग्री तापमान था, लंदन में पहली बार 40 (डिग्री) तापमान था।

'माई हेड फॉर ए ट्री: द एक्स्ट्राऑर्डिनरी स्टोरी ऑफ द बिश्नोई, द वर्ल्ड्स फर्स्ट इको-वॉरियर्स' के लेखक ने कहा, जिस तरह से जम्भोजी ने एक महान विचारक और एक महान आध्यात्मिक नेता के रूप में नेतृत्व किया, मुझे लगता है कि राजस्थान के पास अहम सीख है जो हम सभी को पाठ पढ़ाती है। गुडमैन ने कहा, लाखों लोग अपनी जमीन को रेगिस्तान में बदलते हुए देखेंगे। उन्होंने कहा कि बिश्नोई समुदाय के लोग जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में पर्यावरण सरंक्षण में काफी विश्वास रखते हैं।

लेखक ने कहा, वे इस चीज (जलवायु परिवर्तन) से निपटने की कोशिश में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगा रहे हैं। इसलिए आप देखेंगे कि जंगल बढ़ रहे हैं, वे वन्यजीवों के लिए तालाब बना रहे हैं। सत्र में गुडमैन के साथ एक सरकारी शिक्षक एवं एक पर्यावरण कार्यकर्ता नरेंद्र बिश्नोई भी शामिल हुए। बिश्नोई ने आगाह किया कि विकास के नाम पर पेड़ों को नहीं काटा जाना चाहिए।

राष्ट्र हित को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्र हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विकसित भारत के लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक देश को श्रेष्ठतर बनाने में अपनी भागीदारी निभाए। राज्यपाल रविवार को बीकानेर में हरखचंद नाहटा की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा उनकी स्मृति में जारी 25 रुपए मूल्य के 40 ग्राम वजनी स्मारक सिक्के के अनावरण समारोह में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि नाहटा ने व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र के साथ जन सेवा तथा धर्म सेवा के कार्यों में भी अतुल्यनीय योगदान दिया। देश की कई सुप्रतिष्ठित संस्थाओं से संबंध रखकर वे लोक मंगल कार्यों में निरंतर आर्थिक सहयोग के अलावा सक्रिय सहभागिता निभाते थे।

जैनाचार्य जिनपीयूष सागर सूरिश्वर जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित समारोह के दौरान राज्यपाल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा हरखचंद नाहटा की स्मृति में स्मारक रजत सिक्का जारी करना जीवन को आलोक देने वाले महापुरूषों के सम्मान की परम्परा है।

उन्होंने कहा कि समय तथा इतिहास की कसौटी पर ही किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व का मूल्यांकन होता है। हरखचंद नाहटा के जीवट व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, दूरदर्शिता तथा लोक मंगल की बलवती भावना ने उन्हें विशेष स्थान दिलाया।

उन्होंने दानदाता भामाशाह, सेठ घनश्याम दास बिड़ला और समर्थ रामदास के व्यक्तित्व से जुड़े उदाहरण दिए और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार दान देने की आदत डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोग धार्मिक प्रवृत्ति के होते हैं। ऐसे लोग अपनी संस्कृति को संरक्षित रखने में भी भागीदारी निभाएं। इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने स्मारक सिक्के का अनावरण किया तथा यह सिक्का नाहटा परिवार के छोटे बच्चों को आशीर्वाद के साथ सौंपा।

बर्ड फ्लू की दस्तक के बाद उद्यान प्रशासन ने जारी की एडवायजरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के विश्वविख्यात केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (घना) में बर्ड फ्लू की दस्तक के बाद उद्यान प्रशासन ने अलर्ट मोड पर रहते हुए पर्यटकों को झील के अंदर पानी में नही उतरने की एडवायजरी जारी की है। राष्ट्रीय उद्यान सूत्रों ने बताया कि पेंटेड स्टार्क पक्षी के एक बच्चे में बर्ड फ्लू वायरस मिलने के बाद हालांकि उद्यान में किसी भी तरह के कोई गम्भीर हालात नही है लेकिन सावधानी बतौर पर्यटकों को पक्षियों के ज्यादा नजदीक नहीं जाने दिया जा रहा है। अधिकारी एवं कर्मचारी भी दिन में चार बार उद्यान और बाहर के क्षेत्र में मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उद्यान में पक्षियों की मॉनिटरिंग के लिए प्रशासन की ओर से अधिकारी और कर्मचारियों को पीपीई किट भी उपलब्ध कराई गई है।

सूत्रों के अनुसार घना के बाहर किसी भी पक्षी में बर्ड फ्लू वायरस के लक्षण नहीं मिलने से अभी कोई चिंताजनक स्थिति नजर नहीं आ रही है लेकिन सूत्रों का कहना था कि उद्यान से भोपाल प्रयोगशाला भेजे गए कई नमूनों की रिपोर्ट आना अभी बाकी है। इस बीच उद्यान प्रशासन ने देश बिदेश के पर्यटको से अपील की है कि बे बिना भय के केवला देव राष्ट्रीय उद्यान आ सकते हैं क्योंकि बड़ी संख्या में जो पर्यटक यहां आ रहे हैं उन्हें किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं है।

दर्शन

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को बीकानेर स्थित देशनोक की करणी माता के दर्शन कर सभी के मंगल की कामना की है। बागड़े ने देशनोक में मां करणी की विधिवत पूजा अर्चना कर उनकी जोत - आरती में भी भाग लिया।

किसान रजिस्ट्री शिविर में प्रत्येक किसान का रजिस्ट्रेशन हो सुनिश्चित : सोनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में किसानों को सशक्त करने के लिए उन्हें डिजिटल रूप से सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। एग्रीस्टैक योजना में किसान रजिस्ट्री प्रोजेक्ट को आगामी 5 फरवरी से सम्पूर्ण राजस्थान में लागू किया जाएगा। इस योजना के तहत जयपुर सहित राज्य के सभी जिलों में शिविर आयोजित किये जायेंगे, जहाँ किसानों को फार्मर रजिस्ट्री आई.डी. बनवाने में सहयोग प्रदान किया जायेगा।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को जयपुर जिले में किसान रजिस्ट्री शिविरों के सफल आयोजन एवं जिले के समस्त किसानों का एग्रीस्टैक पर रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने शिविरों के व्यापक प्रचार प्रसार के भी निर्देश दिये हैं ताकि जिले के प्रत्येक किसान को ना केवल शिविरों के आयोजन की जानकारी हो बल्कि शिविरों में किसान फार्मर आर्डडी बनाने के साथ-साथ अन्य विभागीय योजनाओं से लाभांवित हों सकें।

अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती सुमन पंवार ने बताया कि एग्रीस्टैक योजनांतर्गत जयपुर में किसान रजिस्ट्री अभियान का आयोजन ग्राम स्तर पर 5 फरवरी से 31 मार्च 2025 तक किया जायेगा। इसके तहत ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों में किसानों की विशिष्ट किसान आईडी बनाई जायेगी। शिविरों का आयोजन प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक किया जाएगा।

शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड मंगला पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा एवं उपचार सहित पशु पालन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभांवित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की प्रदान की जायेगी। किसानों द्वारा आईडी बनवाने के लिये आधार कार्ड, जमाबंदी, मोबाईल नम्बर की जरूरत होगी।

भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं व सेवाओं तक आसान पहुंच करने, प्रधानमंत्री किसान/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी उपयोगी होगी। शिविर कार्यक्रमानुसार 05 फरवरी 2025 से राज्य में सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर शिविर आयोजित करवाये जा रहे है। आपकी कृषि भूमि से संबंधित ग्राम पंचायत के शिविर में जाकर फार्मर आईडी बनवा सकते है। फार्मर आईडी बनाने के लिए किसान को महज अपना आधार कार्ड, आधार से लिंक्ड मोबाइल नम्बर वाला फोन और नवीनतम जमाबंदी लेकर शिविर में आना होगा।

बजट कई मायनों में हितकारी, समाज के हर वर्ग का रखा गया ख्याल : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ रविवार को जोधपुर दौरे पर हैं। इस दौरान एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बजट 2025-26 की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बजट में युवा, गरीब, महिला और किसान वर्ग हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। भाजपा नेता मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो बजट पेश किया है, उसमें समाज के सभी वर्गों, खासकर युवा, गरीब, महिला और किसान के हितों को ध्यान में रखा गया है। यह पूरे देश के विकास का बजट होगा। यह देश-प्रदेश के विकास का बजट है। बजट वास्तव में मध्यम वर्ग के लिए एक वरदान साबित हुआ है।

उन्होंने कहा कि किसी ने कल्पना नहीं की थी कि 12 लाख रुपए की आय पर टैक्स जीरो हो जाएगा, जो बहुत बड़ी बात है। एमएसएमई के लिए भी बजट बहुत अच्छा है। उनके लोन और ब्याज दर का काफी ध्यान रखा गया है।

सपा सनातन विरोधी पार्टी है, उसे 'गाजी और पाजी' प्यारे हैं : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या(उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को समाजवादी पार्टी(सपा) पर जोरदार हमला करते हुए उसे ''सनातन विरोधी'' करार दिया और आरोप लगाया कि इसे सिर्फ ''गाजी'' और ''पाजी'' ही प्यारे हैं।

आदित्यनाथ ने मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी चंद्रभान पासवान के समर्थन में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए इसे (उपचुनाव को) ''राष्ट्रवाद बनाम परिवारवाद'' का चुनाव करार दिया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, समाजवादी पार्टी(सपा) सनातन धर्म विरोधी है। वह सामाजिक न्याय के पुरोधाओं और महापुरुषों की विरोधी है। यह भारत विरोधी तत्वों और माफिया को गले लगाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सपा के लोगों का पेशा ही अपराध करना, गुंडागर्दी करना, बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा में सेंध लगाना है। उन्होंने दावा किया कि इनका तो नारा ही था कि ''समाजवादियों का नारा है, खाली प्लॉट हमारा है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष (अखिलेश यादव) के पिछले दो महीनों के ट्वीट (एक्स पर की गई पोस्ट) को देखिये। उन्होंने इस दौरान जितने भी वक्तव्य दिए हैं, वे इस सदी के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन महाकुंभ का विरोध करते हुए दिए हैं।

आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ में दुनिया भर के लोग आकर अभिभूत हो रहे हैं लेकिन पीड़ा सपा को हो रही है। उन्होंने कहा, जिस चीज से सनातन धर्म का गौरव बढ़ता हो, जिससे हर भारतीय का सीना चौड़ा होता हो, जिससे हर व्यक्ति अभिभूत होता हो, उससे समाजवादी पार्टी को पीड़ा होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह वही समाजवादी पार्टी है जो बहराइच में महाराजा सुहेलदेव के स्मारक का विरोध करती है और कहती है कि इसे गाजी (सूफी संत सैयद सालार मसूद गाजी) का (स्मारक) होना चाहिए...उन्हें गाजी और पाजी (अराजक तत्व) प्यारे हैं। उन्होंने सपा पर अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास और (रामलला के नवीन विग्रह की) प्राण प्रतिष्ठा के अलावा अयोध्या के विकास और अयोध्या हवाई अड्डे के निर्माण का विरोध करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने अयोध्या के पूरा कलंदर क्षेत्र में हुई बलात्कार की एक कथित घटना के आरोपी सपा नेता मुईद खान और कन्नौज में एक किशोरी से बलात्कार के आरोपी नवाब सिंह यादव का नाम लेते हुए कहा, इन्हें (सपा को) इसी मिल्कीपुर का मुईद खान प्यारा है। इन्हें कन्नौज का नवाब सिंह यादव प्यारा है, जिसने एक बेटी की इज्ज़त पर हाथ डाला। आदित्यनाथ ने शनिवार को अयोध्या में एक लड़की का शव बरामद होने की घटना का भी जिक्र करते हुए दावा किया कि दलित बेटी के साथ हुई इस घटना की जांच में दोषी व्यक्ति सपा का ही निकलेगा।

भारत प्रकृति की रक्षा एवं संवर्धन को प्रतिबद्धः भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है, जैसा कि देश भर में रामसर स्थलों (अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमियों) में लगातार वृद्धि से परिलक्षित होता है। यादव ने विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर भारत में रिकॉर्ड 89 रामसर स्थलों के विकास का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आर्द्रभूमि संरक्षण पर ध्यान देने को दिया। भारत का आर्द्रभूमि के मामले में एशिया में शीष और विश्व में तीसरा स्थान है।

यादव ने कहा, रामसर स्थलों में लगातार वृद्धि के साथ, भारत प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन दोनों के प्रति प्रतिबद्धता दिखा रहा है। इस दिशा में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आर्द्रभूमि के संरक्षण पर अभूतपूर्व जोर दिया है। इस दृष्टिकोण के कारण ही हमारे रामसर स्थलों की संख्या 89 तक पहुंच गई है। विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के गोण्डा में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए केंद्रीय पर्यावरण राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि जिले में 100 से अधिक छोटी-बड़ी आर्द्रभूमियां हैं और इसमें आर्द्रभूमि शहर के रूप में पहचान बनाने की क्षमता है।

'झारखंड देश के खजाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है, लेकिन बजट में इसके लिए कुछ नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चाईबासा/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि राज्य अपने खनिज संसाधनों के जरिये देश के खजाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है, लेकिन केंद्रीय बजट में राज्य और इसकी जनजातीय आबादी के लिए कुछ भी नहीं है।

सोरेन ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वह झारखंड के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, झारखंड अपने खनिज संसाधनों के जरिये देश के खजाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है, लेकिन बजट में इस राज्य के लिए कुछ भी नहीं है। हमारे आदिवासी लोगों के लिए कुछ भी नहीं है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 315.28 करोड़ रुपए की लागत वाली 178 परियोजनाओं का शिलान्यास और 96.97 करोड़ रुपए की लागत वाली 68 परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, हम अब एक ऐसी प्रणाली विकसित कर रहे हैं, जिसके तहत ब्लॉक और जिला अधिकारी ग्रामीण लोगों के घरों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे।

भाजपा विधायक ने महाकुंभ भगदड़ की उच्च स्तरीय जांच की मांग की

गाजियाबाद, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ को कमजोर करने की साजिश का संकेत देने के एक दिन बाद, गाजियाबाद के लोनी से भाजपा के विधायक नंद किशोर गुर्जर ने 29 जनवरी की भगदड़ की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। भगदड़ में 30 लोगों की जान चली गई थी जबकि अन्य 60 घायल हो गए थे। गुर्जर ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में आरोप लगाया कि राज्य में अधिकारी समाजवादी पार्टी के प्रभाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने महाकुंभ भगदड़ की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी अपने परिवारों के लिए वीआईपी सुविधा को प्राथमिकता देते हैं जबकि सामान्य तीर्थयात्रियों को महाकुंभ में संघर्ष करना पड़ा।

गुर्जर ने दावा किया, विधायक, जो अधिकारियों से ऊंचे पद पर हैं, उन्हें कतारों में खड़े होने के लिए मजबूर किया गया, जबकि नौकरशाहों की पत्नियों को 'वीआईपी प्रोटोकॉल' प्राप्त हुआ। गुर्जर के बयान का वीडियो 'एक्स' पर प्रसारित हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा कि यह (तीर्थयात्रियों की) मौतें नहीं बल्कि हत्याएं थीं। उन्होंने आरोप लगाया, मैं मुख्यमंत्री से महाकुंभ के बजट को लूटने के लिए मुख्य सचिव और उनके सहयोगियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आग्रह करता हूं। वह (महाकुंभ में) तीर्थयात्रियों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें एनएसए के तहत जेल में डाला जाना चाहिए।

देश राजकोषीय मजबूती के साथ कर्ज कटौती के लक्ष्य की राह पर : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि भारत राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर आगे बढ़ने के साथ कर्ज में कटौती के लक्ष्य की ओर कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने इस बात को तवज्जो नहीं दी कि मूडीज जैसी एजेंसियों ने इन सबके बावजूद भारत की साख को नहीं बढ़ाया है।

सीतारमण ने वित्त वर्ष 2025-26 के अपने बजट में राजकोषीय सूझबूझ के साथ आर्थिक वृद्धि को गति देने के बीच बेहतर संतुलन साधा है। उन्होंने न केवल मध्यम वर्ग को बड़ी कर राहत दी है, बल्कि अगले साल राजकोषीय घाटे को कम करने तथा 2031 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रतिशत रूप में कर्ज में कमी लाने का खाका भी पेश किया। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक चुनौतियों, आपूर्ति व्यवस्था के स्तर पर समस्याओं और दुनिया में संघर्षों के बीच अर्थव्यवस्था की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए महामारी के दौरान अधिक कर्ज लेना पड़ा। सीतारमण ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, इन सबके बावजूद हमने प्रतिबद्धता दिखाई है और राजकोषीय घाटे के संबंध में हम अपनी कही बातों का पालन कर रहे हैं। एक भी साल ऐसा नहीं है, जब हम अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने में विफल रहे हों। मूडीज रेटिंग्स ने शनिवार को सरकार द्वारा अपने वित्त को विवेकपूर्ण ढंग से प्रबंधित करने के प्रयासों के बावजूद भारत की साख को तत्काल बढ़ाने की बात से इनकार किया था। मूडीज ने फिलहाल भारत की रेटिंग को स्थिर परिदृश्य के साथ बीएए3 पर बरकरार रखा है। यह निवेश के लिहाज से निम्न स्तर की रेटिंग है।

भारत राजकोषीय अनुशासन और मुद्रास्फीति नियंत्रण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन मूडीज का कहना है कि साख बढ़ाने के लिए ऋण के बोझ में पर्याप्त कमी और अधिक महत्वपूर्ण राजस्व उत्पन्न करने वाले उपाय आवश्यक हैं। हाल के सुधारों के बावजूद, राजकोषीय घाटा और कर्ज-जीडीपी अनुपात महामारी-पूर्व के स्तर की तुलना में व्यापक बना हुआ है। कर्ज पर ब्याज अदायगी की लागत बजट में सबसे बड़ा हिस्सा बनी हुई है।

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे का दावा- संजय राउत कांग्रेस में शामिल होने के लिए कर रहे बातचीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने रविवार को दावा किया कि शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत कांग्रेस में शामिल होने के लिए दिल्ली में एक नेता से बातचीत कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राणे ने कहा कि राउत का राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के पास उन्हें एक और कार्यकाल के लिए जीत दिलाने को लेकर पर्याप्त विधायक नहीं हैं। महाराष्ट्र में पिछले साल नवंबर में हुए चुनावों में 288 सदस्यीय विधानसभा में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने 20 सीट पर जीत हासिल की थी।

राणे ने संवाददाताओं से कहा, राउत को 'सामना' (उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी का मुखपत्र) में लिखना चाहिए कि वह शिवसेना (उबाठा) में कितने समय तक टिके रहेंगे। उन्हें उस नेता के बारे में लिखना चाहिए, जिनसे वह दिल्ली में कांग्रेस में शामिल होने के लिए बातचीत कर रहे हैं। उन्हें इस मुद्दे पर भी बयान देना चाहिए। बार-बार प्रयास करने के बावजूद राउत से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका। राणे की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब राउत ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री तथा शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के बीच मतभेद से राज्य में शासन व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

राउत ने शिवसेना (उबाठा) के मुखपत्र 'सामना' में अपने साप्ताहिक स्तंभ 'रोखठोक' में दावा किया कि शिंदे अभी तक इस तथ्य को स्वीकार नहीं कर पाए हैं कि नवंबर 2024 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद पुन: नहीं दिया गया और वह इस पद को फिर से हासिल करने की बेहद कोशिश कर रहे हैं और फडणवीस इससे अच्छी तरह से वाकिफ हैं। शिवसेना (उबाठा) और कांग्रेस सहयोगी हैं।

मंत्री को छात्रों के विरोध का सामना करना पड़ा

कोलकाता के कॉलेज में सरस्वती पूजा को लेकर विवाद जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु को रविवार को कोलकाता के एक कॉलेज के छात्रों के विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ा, जिन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद (टीएमसीपी) के एक नेता के नेतृत्व में बाहरी लोगों ने उन्हें संस्थान परिसर में सरस्वती पूजा आयोजित करने पर धमकी दी।

जोगेशचंद्र लॉ कॉलेज परिसर में पूजा के आयोजन को लेकर छात्रों के दो समूहों के बीच हुए विवाद के बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कोलकाता पुलिस से यह सुनिश्चित करने को कहा कि कॉलेज के छात्र पर्याप्त सुरक्षा के साथ पूजा कार्यक्रम आयोजित कर सकें। उनतीस जनवरी को मामला तब चरम पर पहुंच गया, जब लॉ कॉलेज की छात्राओं ने आरोप लगाया कि उन्हें पूर्व छात्र साबिर अली के नेतृत्व वाले टीएमसीपी के सदस्यों द्वारा कॉलेज परिसर में पूजा आयोजित करने से रोका जा रहा है और यहां तक कि उन्हें बलात्कार की धमकी भी दी गई। इसके बाद एक छात्रा ने कलकत्ता उच्च न्यायालय से गुहार लगाई और न्यायाधीश ने आदेश दिया कि विद्यार्थियों को त्योहार मनाने की अनुमति दी जानी चाहिए। बसु और तृणमूल कांग्रेस की स्थानीय सांसद माला रॉय जब कॉलेज परिसर में गए और छात्राओं से मिले, तो एक समूह ने 'हमें न्याय चाहिए' के नारे लगाए।

शिक्षा मंत्री ने कहा, मैं आपसे बात करने के लिए यहां आया हूं। कोई भी आपको मजबूर नहीं करेगा, आपको आतंकित नहीं करेगा या आपको धमकी नहीं देगा। अगर किसी ने कोई धमकी दी है, तो हम उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे।

कई छात्राएं उनके सामने रो पड़ीं और आरोप लगाया कि कॉलेज में प्रवेश करते समय कुछ ''बाहरी लोगों'' द्वारा उन पर हमला करने और बलात्कार करने की धमकी दी गई।

बसु ने कहा, मैंने छात्रों से मुलाकात की, मूर्ति के दर्शन किए और प्रार्थना की। मैंने छात्रों को आश्वासन दिया है कि हम उनकी शिकायतों पर गौर करेंगे और जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

आरोपों को खारिज करते हुए अली ने कहा, हम कॉलेज की बगल वाली गली में सरस्वती पूजा का आयोजन कर रहे हैं। किसी को कोई धमकी नहीं दी गई है। वे ऐसा कोई वीडियो (धमकी देने का) नहीं दिखा सकते। उन्होंने यह भी कहा कि कॉलेज के पूर्व छात्र होने के नाते उन्हें सरस्वती पूजा का हिस्सा बनने का पूरा अधिकार है।

सौतेली मां ने अपनी आठ वर्षीय बेटी की हत्या कर शव जलाने के बाद उसे बक्से में छिपाया

बक्सर/भाषा। बिहार के बक्सर जिले के नया भोजपुर इलाके में एक सौतेली मां द्वारा आठ साल की बेटी की हत्या कर शव को जलाने के बाद उसे एक बक्से में छिपा देने का मामला प्रकाश में आया है। बक्सर के पुलिस अधीक्षक शुभम आर्या ने रविवार को नया भोजपुर थाना क्षेत्र में हुई इस हत्या की घटना के बाद तत्काल मौके का मुआयना किया।

बक्सर पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार शनिवार रात्रि लगभग 10 बजे डुमरांव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) आफाक अख्तर अंसारी को गुप्त सूचना मिली कि नया भोजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर आठ पूरब टोला में एक सौतेली मां ने बेटी की जला कर हत्या कर दी है। उक्त सूचना को वरीय पुलिस पदाधिकारी को अवगत कराते हुए एसडीपीओ के नेतृत्व में नया भोजपुर थाने की एक टीम गठित कर सूचना का सत्यापन किए जाने पर उसे सत्य पाया गया जिसके बाद नया भोजपुर थाना द्वारा उक्त कांड में संलिप्त एक महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मणिपुर : तेंगनोउपल जिले में करीब 25 एकड़ में अफीम की खेती नष्ट की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को बताया कि तेंगनोउपल जिले के खुदेई खुल्लेन पहाड़ी क्षेत्र में 25 एकड़ से अधिक भूमि पर की गई अफीम की खेती नष्ट कर दी गई है। सिंह ने अवैध गतिविधियों से निपटने में तेंगनोउपल जिला पुलिस, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), वन विभाग और अन्य लोगों के समन्वित प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, बड़ी कार्रवाई: तेंगनोउपल जिले में 25 एकड़ से अधिक भूमि पर की गई अफीम की अवैध खेती नष्ट कर दी गई। मादक पदार्थों के खिलाफ हमारी लड़ाई के तहत आज तेंगनोउपल जिले के खुदेई खुल्लेन पहाड़ी क्षेत्र में 25 एकड़ से अधिक भूमि पर अवैध रूप से की गई अफीम की खेती नष्ट कर दी गई। उन्होंने बताया कि इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

रेलवे क्रॉसिंग पर गार्डर गिरने से लखनऊ-वाराणसी मार्ग पर डेढ़ घंटे तक बाधित रहा यातायात

सुलतानपुर (उप्र)/भाषा। सुलतानपुर जिले में लखनऊ-वाराणसी रेल मार्ग पर रविवार सुबह एक बड़ी दुर्घटना होते-होते टल गई। हनुमानगंज रेलवे क्रॉसिंग पर एक ट्रक से रेलवे पुल के निर्माण के लिए ले जाए जा रहे आठ गार्डर पटरी पर गिर गए।

स्टेशन अधीक्षक एस एस मीणा ने बताया कि सुबह वाराणसी की ओर जा रहा एक ट्रक जब रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंचा तभी उसकी जंजीर टूट गई और उस पर लदे आठ गार्डर पटरी पर गिर गए, फलस्वरूप रेल और सड़क दोनों ही यातायात प्रभावित हुए। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 'अप लाइन' की गाड़ियों को 'डाउन लाइन' से गुजारने की व्यवस्था की तथा वाराणसी जा रही मालगाड़ी को आधे घंटे तक 'आउटर' पर रोका गया।

अंडर-19 महिला विश्व कप विजेता कप्तान निकी प्रसाद ने कहा

टीम को शीर्ष पर रखने की खुशी, यह विशेष पल है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुआलालंपुर/भाषा। भारतीय कप्तान निकी प्रसाद ने महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप की खिताबी जीत को 'विशेष क्षण' करार देते हुए रविवार को कहा कि टीम को यह सफलता खिलाड़ियों के धैर्य और काम के प्रति समर्पण से मिली है।

भारत ने टूर्नामेंट में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए एकतरफा मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से रौंदकर लगातार दूसरी बार अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप खिताब जीत लिया। टीम ने 83 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 52 गेंद शेष रहते प्रभावशाली जीत दर्ज की।

गोंगाडी त्रिशा 33 गेंद में नाबाद 44 रन बनाकर भारत की ओर से शीर्ष स्कोरर रहीं जबकि सानिका चाल्के ने भी 22 गेंद में नाबाद 26 रन की पारी खेली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 48 रन की अटूट साझेदारी भी की।

निकी ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, हम सभी ने धैर्य बनाए रखने की कोशिश की। टूर्नामेंट की शुरुआती मैच में जीत दर्ज करने के बाद भी सफलता का

खुमार हावी नहीं होने दिया और अपना काम करते रहे। उन्होंने कहा, हम फाइनल जीत कर अपनी क्षमता को दिखाना चाहते थे। हमें बेहतरीन सुविधाएं देने के लिए बीसीसीआई को धन्यवाद। मुझे खुशी है कि मैं यहां खड़ी हूं और यह सुनिश्चित कर रही हूं कि भारत शीर्ष पर रहे। यह एक विशेष क्षण है। त्रिशा ने इससे पहले गेंदबाजी में भी कमाल करते हुए 15 रन पर तीन विकेट चटकाए। टीम के लिए पारुनिका सिसोदिया (छह रन पर दो विकेट), आयुषी शुक्ला (नौ रन पर दो विकेट) और वैष्णवी शर्मा (23 रन पर दो विकेट) ने भी शानदार गेंदबाजी की जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 82 रन पर सिमट गई।

भारतीय कप्तान ने कहा, टूर्नामेंट की शुरुआत में, मैंने कहा था कि हम यहां दबदबा बनाने के लिए आए हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत यहां शीर्ष पर बना रहे। उन्होंने कहा, दक्षिण अफ्रीका की टीम भी टूर्नामेंट में वास्तव में अच्छा खेल रही। हम लंबे समय से उनके खिलाफ खेल रहे हैं, उन्होंने मजबूत जज्बा दिखाया। उनके खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना वास्तव में अच्छा है।

फाइनल में हार की निराशा के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की कप्तान कायला रेनेके ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी टीम के प्रदर्शन पर गर्व किया करते हुए 2027 में मजबूत वापसी का भरोसा जताया।

अश्विन ने कनकशन विवाद पर कहा, पूरी तरह से क्रिकेट संबंधित गलत आकलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान 'कनकशन सब्स्टीट्यूशन' के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए इसे पूरी तरह से क्रिकेट संबंधित गलत आकलन करार दिया जिसमें मध्यम गति के गेंदबाज हर्षित राणा ने बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे की जगह ली थी।

दुबे ने मैच के दौरान अर्धशतक बनाया था और भारत की पारी के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद उनके सिर पर लग गई, तब जेमी ओवरटन गेंदबाजी कर रहे थे।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने 'कनकशन प्रोटोकॉल का उपयोग करते हुए दुबे की जगह राणा को मैदान पर उतार दिया जो 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं।

राणा ने अपने पदार्पण मैच में 33 रन देकर तीन विकेट झटक लिए जिससे भारत ने मैच 15 रन से जीत लिया। इस तरह भारत ने एक मैच रहते ही टी20 श्रृंखला अपने नाम कर ली।

अश्विन ने अपने हिंदी यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा, खेल खत्म हो गया है। भारत ने घरेलू मैदान पर एक और श्रृंखला अपने नाम कर ली। टी20 अंतरराष्ट्रीय में जीत का सिलसिला वाकई शानदार रहा। लेकिन मेरा पहला सवाल यह है कि क्या हम भूल गए कि यह एक अंतरराष्ट्रीय मैच था या फिर हमने आईपीएल मैच खेला? '' उन्होंने कहा, क्योंकि आज सारी चर्चा इस बात पर थी कि हर्षित राणा किस तरह शिवम दुबे के 'कनकशन सब्स्टीट्यूट' बन गए? मैं समझ सकता हूं कि ऐसा पहले भी हुआ है। कैनबरा में युजवेंद्र चहल ने रविंद्र जडेजा की जगह ली।

सुविचार

गरीबों का मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिये; क्योंकि गरीब होने में वक़्त नही लगता !

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

केंद्रीय बजट 2025-26 ग्रामीण क्षेत्रों और मध्यम वर्ग को ताकत देगा। इससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय पर कोई आयकर नहीं लगने से वेतनभोगी वर्ग की मांग का खास ध्यान रखा गया है। बजट में राज्यों की भागीदारी से 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' शुरू करने की घोषणा सराहनीय है। इससे बड़ी तादाद में किसानों को लाभ मिलेगा। 'दलहनों में आत्मनिर्भरता' मिशन से दलहनों की कीमतें नियंत्रण में रहेंगी। बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना से मखानों के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन में सुधार की उम्मीद है। देश में 50 शीर्ष पर्यटन स्थलों को विकसित करने के फैसले से पर्यटन तो बढ़ेगा ही, इससे रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। बजट में गिग कामगारों के लिए पहचान पत्र और ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण की व्यवस्था तथा पीएम जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य देखभाल उपलब्ध कराने की घोषणा इस वर्ग के लिए बड़ी सौगात है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता संबंधी उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना का फैसला भी शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाएगा। पांच आईआईटी में अतिरिक्त अवसंरचना के सृजन से इनकी क्षमता का विस्तार होगा। भारतीय भाषा पुस्तक योजना आज की बड़ी जरूरत है। इससे स्कूल और उच्च शिक्षा के लिए भारतीय भाषाओं में डिजिटल स्वरूप में पुस्तकें उपलब्ध होंगी। यह योजना घर बैठे ही मोबाइल फोन पर विशाल पुस्तकालय के दरवाजे खोल देगी। इसी तरह भारत नेट परियोजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सभी सरकारी माध्यमिक स्कूलों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी देने से शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों क्षेत्रों को मजबूती मिलेगी।

सरकारी स्कूलों में 50,000 अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं स्थापित करने से बच्चों में विज्ञान और तकनीक में रुचि पैदा होगी। लघु, मध्यम और बड़े उद्योगों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन की स्थापना से 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा मिलेगा। अनूठे और पर्यावरण के अनुकूल खिलौने बनाने की योजना देश के करोड़ों बच्चों का बचपन संवारेगी। वर्तमान में खिलौना बाजार में चीन का दबदबा है, जिसकी मंशा पर कई सवाल उठते रहे हैं। दस हजार करोड़ रुपए के नए अंशदान के साथ निधियों के नए कोष की स्थापना से स्टार्टअप्स को मजबूती मिलेगी। असम में 12.7 लाख मीट्रिक टन की उत्पादन क्षमता वाले यूरिया संयंत्र की स्थापना का फैसला कृषि उपज बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। वहीं, किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए दिए जाने वाले ऋण की सीमा 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने से किसानों का जीवन स्तर बेहतर होगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों की मांग में बढ़ोतरी होगी। छत्तीस जीवन रक्षक औषधियों को बुनियादी सीमा शुल्क से पूरी तरह छूट देने का फैसला भी सराहनीय है। इसका फायदा जरूरतमंद लोगों को मिलेगा और उनके जीवन की रक्षा होगी। जल जीवन मिशन का विस्तार साल 2028 तक करने से करोड़ों लोग लाभान्वित होंगे। बजट में किए गए प्रावधान ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भारतीय डाक की भूमिका को और महत्त्वपूर्ण बनाएंगे। डीबीटी, सूक्ष्म उद्यमों को ऋण सेवा, बीमा और अन्य सेवाओं को शामिल करने के लिए डाक सेवाओं का विस्तार करने का फैसला ग्रामीण भारत की तस्वीर बदल देगा। यह बजट रेहड़ी-पटरी वालों की कमाई बढ़ाने के लिए मजबूत बुनियाद बनाएगा। तीस हजार रुपए की सीमा के साथ यूपीआई-लिंक्ड क्रेडिट कार्ड की पेशकश क्षमता निर्माण में सहायता देगी। देश के रक्षा बजट में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। बजट में नागरिक उड्डयन के लिए महत्त्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। इससे विमानन क्षेत्र का विस्तार होगा। अब केंद्र सरकार इन घोषणाओं को धरातल पर उतारकर करोड़ों देशवासियों के सपने साकार करे।

ट्वीटर टॉक

अयोध्या में दलित बेटी के साथ हुई अमानवता और उसकी नृशंस हत्या हृदयविदारक और बहुत शर्मनाक है। तीन दिनों से गूंजती बच्ची के परिवार के मदद की पुकार पर अगर प्रशासन ने ध्यान दिया होता तो शायद उसके जीवन की रक्षा हो सकती थी।

-अशोक गहलोत

दिल्ली की त्रिनगर नगर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी श्री तिलक राम गुप्ता जी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर क्षेत्र की जनता से आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने हेतु आग्रह किया।

-दीया कुमारी

आज करौली में जन-जन के आराध्य देव श्री जगदीश भगवान जी के 346वें स्थापना दिवस समारोह में प्रभु के पूर्ण विधि-विधान से दर्शन-पूजन कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण हेतु प्रार्थना की।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

धीरज से ज्ञान

जब चार्ल्स डार्विन कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में पढ़ रहे थे, उनके प्रोफेसर जॉन हेन्सलो ने एक दिन उनसे पूछा, 'डार्विन, तुम हर समय कीड़े-मकोड़ों और पत्थरों को क्यों इकट्ठा करते रहते हो? क्या तुम डॉक्टर नहीं बनना चाहते?' डार्विन ने विनम्रता से उत्तर दिया, 'सर, मैं प्रकृति की हर छोटी चीज में छिपे रहस्यों को समझना चाहता हूं। जब मैं एक कीड़े को देखता हूं, तो सोचता हूं कि यह इतना विशिष्ट रूप कैसे प्राप्त कर सका?' प्रोफेसर ने कहा, 'लेकिन तुम्हारे पिता चाहते हैं कि तुम एक सम्मानजनक पेशा अपनाओ।' डार्विन मुस्कुराए, 'मेरी जिज्ञासा मुझे चैन नहीं लेने देती। मैं जानना चाहता हूं कि प्रकृति कैसे काम करती है।' उनकी यही जिज्ञासा और सीखने की ललक उन्हें एचएमएस बीगल जहाज पर पांच साल की यात्रा पर ले गई। इस यात्रा के दौरान उन्होंने गैलापागोस द्वीप समूह में विभिन्न प्रजातियों का अध्ययन किया। यह अध्ययन ही बाद में विकास के सिद्धांत का आधार बना। एक दिन किसी ने पूछा, 'इतने वर्षों तक एक ही विषय पर काम करने का धैर्य कैसे रखा?' डार्विन ने कहा, 'सच्चा ज्ञान धीरज का फल है। प्रकृति के रहस्यों को समझने में समय लगता है, लेकिन हर नई खोज एक नई दुनिया का द्वार खोलती है।'

सामयिक

बजट 2025-26 : आम आदमी की उम्मीदों को नई दिशा

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट पर पूरे देश की नजरें केंद्रित थीं क्योंकि आम आदमी को इस बजट से बहुत सारी उम्मीदें थीं। माना जा रहा था कि बजट में आम जनता के लिए राहतों का पिटारा खोला जाएगा। मध्यम वर्ग और करदाताओं को टैक्स स्लैब में कमी, स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ाने तथा अन्य छूट को बढ़ाए जाने की बड़ी उम्मीदें थीं। नई आयकर व्यवस्था में इस बार करदाताओं को बड़ी राहत दी गई है। अब 12 लाख रुपये तक की वार्षिक कमाई पर कोई कर नहीं लगेगा जबकि पहले यह सीमा 7 लाख रुपये थी। स्टैंडर्ड डिडक्शन 75 हजार रुपये ही रखा गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की घोषणा के अनुसार, अब यदि किसी व्यक्ति की आय 12 लाख रुपये से अधिक होती है तो उसे कर देना होगा। नई व्यवस्था में 4-8 लाख रुपये की आय पर 5 प्रतिशत, 8-12 लाख रुपये की आय पर 10 प्रतिशत, 12-15 लाख रुपये की आय पर 15 प्रतिशत, 15-20 लाख रुपये की आय पर 20 प्रतिशत, 20-24 लाख रुपये की आय पर 25 प्रतिशत और 24 लाख रुपये से अधिक आय पर 30 प्रतिशत कर देना होगा। स्टैंडर्ड डिडक्शन 75 हजार रुपये तक रहेगा, जिससे वेतनभोगियों को 12.75 लाख रुपये तक कोई कर नहीं देना होगा। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, नई आयकर दरों से करदाताओं को 80 हजार रुपये तक की बचत होगी। उदाहरण के लिए, 12 लाख रुपये की आय वाले करदाता को 80 हजार रुपये, 16 लाख रुपये की आय पर 50 हजार रुपये, 18 लाख रुपये की आय पर 70 हजार रुपये, 20 लाख रुपये की आय पर 90 हजार रुपये और 25 लाख रुपये की आय पर 1.1 लाख रुपये की बचत होगी। 2014 में 2.5 लाख रुपये तक की आय कर मुक्त थी, 2019 में इसे बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया गया, 2023 में 7 लाख रुपये और अब 12 लाख रुपये की आय कर मुक्त कर दी गई है। इनकम टैक्स में किए गए इन बड़े बदलावों का सीधा लाभ मध्यम वर्ग को मिलेगा। हालांकि, पुरानी कर व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जहां 5 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं है और स्टैंडर्ड डिडक्शन 50 हजार रुपये ही बना रहेगा।

एक ओर जहां आयकर दरों में बदलाव मध्यम वर्ग के लिए बहुत बड़ा राहतकारी फैसला है, वहीं बजट में कुछ भी खामियां हैं, जैसे न तो बजट में शिक्षित बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसरों को लेकर कोई ठोस प्रावधान किए गए हैं, न ही किसानों की बढ़ती लागत और समर्थन मूल्य में अपेक्षित वृद्धि को लेकर सरकार की ओर से कोई राहत मिलती दिखी है। भारतीय रुपये की कीमत डॉलर के मुकाबले लगातार गिर रही है, डॉलर के मुकाबले यह 86-87 तक पहुंच गया है लेकिन रुपये की गिरती कीमत को रोकने के लिए भी बजट में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। केंद्र सरकार ने बजट में राज्यों सरकारों को राहत देते हुए राज्य की जीडीपी के 4.5 प्रतिशत तक कर्ज लेने की छूट दी है, पहले यह सीमा 4 प्रतिशत थी। इस बारे में अर्थशास्त्रियों का कहना है कि यह कदम राज्य सरकारों को राहत तो देगा लेकिन यह भी देखना होगा कि ज्यादा कर्ज लेना अर्थव्यवस्था के लिए कितना लाभकारी होगा क्योंकि ज्यादा कर्ज लेने से अर्थव्यवस्था बिगड़ती है। बजट में जहां मध्यम वर्ग को कुछ राहत दी गई है, वहीं बेरोजगारी और महंगाई के मोर्चे पर सरकार की खामोशी अखरती है।

हालांकि बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की गई हैं। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने 2025-26 के लिए 31.47 लाख करोड़ रुपये की कुल प्राप्ति का अनुमान लगाया है, जिसमें 25.57 लाख करोड़ रुपये की कर प्राप्ति होगी, जबकि कुल व्यय 47.16 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है। पूंजीगत व्यय 10.18 लाख करोड़ रुपये तय किया गया है। कृषि और ग्रामीण विकास के लिए 4.38 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 12,242 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पीएम धन-धान्य कृषि योजना 100 कम उत्पादकता वाले जिलों को कवर करेगी, जिससे 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा। 7.7 करोड़ किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा दी जाएगी, जिसमें मछुआरे और डेयरी किसान भी शामिल होंगे। किसान क्रेडिट कार्ड के लिए ब्याज अनुदान सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है। कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कृषि स्टार्टअप्स को 10 हजार करोड़ रुपये की निधि प्रदान की गई है। जैविक खेती और सतत कृषि को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। स्वास्थ्य बजट में 98,311 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप के माध्यम से 100 प्रतिशत घरों को जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए 67 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कैंसर की 36 दवाओं को पूरी तरह से ड्यूटी फ्री किया गया है। अगले तीन वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर सेंटर स्थापित किए जाएंगे। सक्षम आंगनबाड़ी पोषण 2.0 के तहत 8 करोड़ बच्चों और 1 करोड़ गर्भवती महिलाओं को लाभ मिलेगा। डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के तहत टेलीमेडिसिन सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 500 नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना की जाएगी। शिक्षा क्षेत्र के लिए भी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। अगले पांच वर्षों में 75 हजार मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी। आईआईटी और आईआईएससी में तकनीकी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए 10 हजार से अधिक फेलोशिप प्रदान की जाएंगी। सभी सरकारी माध्यमिक विद्यालयों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी दी जाएगी। पांच आईआईटी में अतिरिक्त बुनियादी ढ़ांचा तैयार किया जाएगा। आईआईटी पटना का विस्तार किया जाएगा। भारतीय भाषा पुस्तकों को डिजिटल रूप में उपलब्ध कराने के लिए भारतीय भाषा पुस्तक योजना शुरू की जाएगी। स्कूल शिक्षा सुधार कार्यक्रम के तहत डिजिटल क्लासरूम और स्मार्ट लर्निंग टूल्स को अनिवार्य किया गया है। सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सुदृढ़ करने के लिए 20,000 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है।

रक्षा क्षेत्र के लिए 6.8 लाख करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 1.91 प्रतिशत है। इसमें 1.8 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए रखे गए हैं, जिससे नए हथियार, विमान, युद्धपोत और अन्य सैन्य उपकरण खरीदे जाएंगे। 2024 में रक्षा मंत्रालय को 6.21 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जो इस वर्ष की तुलना में 4.79 प्रतिशत अधिक था। अत्याधुनिक रक्षा उत्पादन और स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देने के लिए 50,000 करोड़ रुपये की विशेष निधि बनाई गई है। भारतीय सेना में नई पीढ़ी के ड्रोन और साइबर सुरक्षा उपकरणों के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपये का अलग बजट रखा गया है। स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के योगदान से फंड ऑफ फंड्स की स्थापना की गई है। सूक्ष्म उद्यमों के लिए 5 लाख रुपये तक की सीमा वाले कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड पेश किए जाएंगे। पहली बार उद्यमी बनने वाली 5 लाख महिला एससी/एसटी को 2 करोड़ रुपये तक के टर्म लोन उपलब्ध कराए जाएंगे। एक करोड़ गिग वर्कर्स के लिए ई-श्रम पोर्टल पर पहचान पत्र और पंजीकरण की व्यवस्था होगी।

बजट में कुछ छूटों के चलते इलैक्ट्रॉनिक उत्पाद सस्ते होंगे, इलैक्ट्रिक कारें सस्ती होंगी और कस्टम ड्यूटी में कमी से मोबाइल और टीवी जैसे उत्पाद भी सस्ते होंगे। लिथियम-आयन बैटरी, कोबाल्ट पाउडर, जिंक, लैड तथा अन्य 12 महत्वपूर्ण खनिजों को बेसिक कस्टम्स ड्यूटी से छूट दी गई है। 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। एक लाख करोड़ रुपये के अर्बन चौलेंज फंड की स्थापना की जाएगी, जिससे शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढ़ांचे को मजबूत किया जाएगा। कुल मिलाकर, यह बजट भारत के विकास को नई गति देने वाला और मध्यम वर्ग के लिए राहतकारी माना जा सकता है। बजट 2025-26 का मुख्य उद्देश्य आर्थिक वृद्धि को गति देना, किसानों और छोटे व्यापारियों को सशक्त बनाना तथा प्रत्येक वर्ग को राहत और अवसर प्रदान करना है। बजट में सरकार ने मध्यम वर्ग, गरीब, युवाओं और महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की है। आयकर में सुधार, कृषि क्षेत्र में निवेश, स्वास्थ्य और शिक्षा में विकास के माध्यम से सरकार ने आम आदमी की उम्मीदों को नई दिशा दी है लेकिन बजट में बेरोजगारी और महंगाई के साथ रुपये की गिरती कीमत को संभालने के उपायों का कोई उल्लेख नहीं होना बजट पर कुछ सवाल भी खड़े करता है। सरकार ने स्टार्टअप्स और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कुछ नई योजनाओं की घोषणा तो की है लेकिन रोजगार सृजन को लेकर कोई ठोस रोडमैप पेश नहीं किया गया है।

नजरिया

अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाला बजट

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को संसद में आठवां बजट पूरा किया, जिसमें भाजपा का अपना आठवां और 11वां बजट पेश किया गया। एक बहुत ही अनोखा चक्र पूरा हुआ। इसकी शुरुआत मध्यम वर्ग के समर्थन से हुई, जिसकी उच्च उम्मीदें और उम्मीदें थीं जिन्हें 2014 के चुनावों में महत्वाकांक्षी कहा जा सकता था। स्वर्गीय अरुण जेटली का यह कथन कि मध्यम वर्ग अपनी देखभाल करने में सक्षम है इस उपेक्षा का प्रतीक बन गया। इस बीच महंगाई बढ़ी है, कोरोना महामारी की वजह से नौकरियां गई हैं, सैलरी गिरी है, कर्ज बढ़े हैं। बढ़ती बेरोजगारी की वजह से सबसे ज्यादा नुकसान इस वर्ग को हुआ है। कभी खुशनुमा माल कहा जाने वाला यह वर्ग मुश्किल में रहा है, लेकिन फिर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस वर्ग के प्रति आकर्षण बना हुआ है। वह देशभक्ति, राष्ट्रवाद, विश्वगुरु आदि के मुद्दे पर मोदी और भाजपा के साथ रहे, इस सही मतदाता को लगातार मान लिया गया। उस धारणा के आसपास गरीब कल्याण, अन्नदाता सुखी भव, सबका साथ-सबका विश्वास आदि नारे सजाए गए थे।ज्ञान को गरीबों, युवाओं, भोजन करने वालों और महिलाओं के कल्याण के रूप में बनाया गया था।हालांकि, पिछले जून में लोकसभा परिणामों ने भाजपा को हकदार वर्ग के पीछे भागने की मूर्खता का एहसास कराया होगा, महिलाएं और गरीब रेवाड़ी संस्कृति के बारे में भूल गए थे। बेरोजगारी के मुद्दे पर युवा गुस्से में थे। अन्नदाता एमएसपी की मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए थे। एक बार फिर, मध्यम वर्ग ने मोदी को बचाया। अकेले भाजपा को बहुमत नहीं मिला, लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में बिहार और आंध्र प्रदेश के दोस्तों की मदद से तीसरी बार सत्ता में आई। यह परिणाम बजट में परिलक्षित हुआ है। सरकार ने इस वर्ग को नियंत्रण में रखने की कोशिश की है।

2 लाख रुपये तक की आय पर कर छूट की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। कई लोगों के लिए, 12 लाख रुपये तक की आय अब कर-मुक्त नहीं है। हालांकि, वास्तविकता यह है कि ऐसा नहीं है। यदि आप कर छूट के लिए पात्र हैं, तो उस पात्रता को दिखाएं और फिर इस तक की आय पर कर का भुगतान न करें। वित्त मंत्री ने इसके भीतर आय और कर की राशि का विवरण क्यों दिया? समझा जाएगा कि यह सवाल क्यों नहीं उठाया गया, जिस पर टैक्स एडवाइजर की ओर से विस्तार से टिप्पणी की जाएगी और बजट दस्तावेज जारी होने का इंतजार करना होगा। 12 लाख रुपये तक की कर छूट की घोषणा और फिर भी 4 लाख रुपये से 8 लाख रुपये के बीच की आय पर 5 प्रतिशत, 8-12 लाख रुपये पर 10 प्रतिशत, आदि को इस कहावत के साथ जोड़ा जा सकता है कि 'असली दानव विवरण में है'। और हमने अब तक कई बार देखा है कि कैसे चुनाव नजदीक होने पर महज घोषणा को अच्छा शोर बनाया जा सकता है। दिल्ली विधानसभा चुनाव सिर्फ चार दिन दूर हैं, 12 लाख रुपये तक की आय की घोषणा आवश्यक प्रभाव के लिए पर्याप्त है। इस बजट में ऐसा कुछ भी न करें जिससे दिल्ली के मतदाताओं पर असर पड़े। चुनाव आयोग ने केंद्र को 'चेतावनी' दी थी। आयोग का 'डर' यह था कि इससे राजधानी के मतदाताओं पर असर पड़ेगा, जो सबसे बड़ी नौकरशाही का घर है। इससे पहले, चुनावों की घोषणा के बाद, सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग की नियुक्ति की घोषणा की और अब यह। विरोधाभासी रूप से, इस वेतन आयोग के बाद, सरकारी कार्यालय के सबसे कम कर्मचारी का वार्षिक वेतन 12 लाख रुपये हो जाएगा और आज घोषित रियायत बेकार होगी। लेकिन जब तक इस पर ध्यान दिया जाएगा, चुनाव खत्म हो चुके होंगे और कोई अन्य चुनाव नहीं होगा। यह शुरू हो गया होगा। उस समय के चुनाव पर ध्यान दें! उदाहरण के लिए, जुलाई 2024 में पेश किया गया बजट आंध्र प्रदेश पर केंद्रित था। उस समय, केंद्र में भाजपा सरकार को हाल के चुनावों में आंध्र के चंद्रबाबू नायडू का भारी समर्थन मिला था और उनकी सरकार उस राज्य में सत्ता में आई थी। तो वह बजट आंध्र पर केंद्र की बारिश बन गया। अब बिहार की बारी है। इसलिए आज के बजट में, निर्मलाबाई ने उदार होकर उस राज्य के लिए कम से कम आधा दर्जन विभिन्न योजनाओं की घोषणा की। एक नया निगम, एक नया हवाई अड्डा, इसका विस्तार, आईआईटी-पटना को भी बहुत समर्थन दिया जाएगा और उस राज्य में एक स्वतंत्र खाद्य प्रसंस्करण अनुसंधान संस्थान भी स्थापित किया जाएगा। हालांकि, बिहार जैसे सबसे पिछड़े राज्य को कम से कम सुविधाओं की जरूरत है। देश के सबसे गरीब जिले बिहार में हैं। उनके लिए 'हवाई अड्डे के विस्तार' की घोषणा कितनी आशाजनक है। कहने की जरूरत नहीं है। लेकिन बिहार के ये बजटीय उल्लेख उस राज्य में चुनावों में वोट हासिल करने के लिए पर्याप्त होंगे क्योंकि दुनिया, कम से कम भारत, नारों पर चल रही है। अब बात करते हैं बिहार और चुनाव उन्मुख दिल्ली को छोड़कर बाकी बजट की।

इसके दो प्रावधानों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया है। दोनों निजी निवेश के बारे में हैं और उनमें से एक निजी विदेशी निवेश को संदर्भित करता है। अब हमारे पास बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश होगा और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी उद्यमियों के लिए खोला जाएगा। ये दोनों चीजें लंबे समय से लंबित थीं। हमें बीमा क्षेत्र की बहुत आवश्यकता है कि यह निजी क्षेत्र को पूरा नहीं कर पाएगा। हालांकि, राष्ट्रवाद, राष्ट्रवाद, हम देशभक्ति आदि जैसे तुच्छ कारणों से विदेशियों के लिए बाजार खोलना पसंद नहीं करते थे। अगर कांग्रेस सत्ता में होती, तो भाजपा यह बुलबुला पैदा करती और अगर भाजपा सत्ता में जाती तो कांग्रेस इसका विरोध करती। हालांकि, यह कहा जा सकता है कि विद्यामन सरकार ने समस्या को स्थायी रूप से तोड़ दिया था। परमाणु ऊर्जा के मामले में भी यही स्थिति थी। देश की ऊर्जा जरूरतों के विशाल दायरे को देखते हुए, परमाणु ऊर्जा में अधिक से अधिक निवेश आवश्यक है। एलएंडटी, टाटा आदि निजी कंपनियां अभी भी परमाणु रिएक्टरों के क्षेत्र में हैं, लेकिन उनके पास स्वतंत्र परमाणु ऊर्जा उत्पादन का अधिकार नहीं है, जो अब उन्हें मिलेगा। हालांकि, इस घटना का स्वागत करते हुए, यह निर्णय उद्योगों के एक विशेष समूह को ध्यान में रखते हुए नहीं लिया गया है जो हाल ही में सभी ऊर्जा क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रहा है। मैं मदद नहीं कर सकता लेकिन संदेह करता हूं। नीति-निर्माण और बारीकियों के हितों को ध्यान में रखना हमारे लिए नया नहीं है। यह ऊर्जा क्षेत्र में विशेष रूप से सच है। कुछ कंपनियों का सबसे हालिया उदाहरण सौर ऊर्जा क्षेत्र में गहराई से जा रहा है और फिर सरकारी नीतियां तैयार कर रहा है, परमाणु ऊर्जा नीति पर टिप्पणी करते हुए छोटे और मध्यम आकार के परमाणु रिएक्टरों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जैतापुर में परियोजना की शुरुआत से ही मीडिया लगातार इस मुद्दे को उठाता रहा है। 'परमाणु हथियार नहीं चाहते, परमाणु हथियार नहीं चाहते' मीडिया ने दोहराया कि कैसे एक विशाल परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने की तुलना में छोटे/मध्यम रिएक्टर बनाना बेहतर है। अब ऐसा लगता है कि इसे अंततः एक नीति के रूप में स्वीकार कर लिया गया है। इसमें आपका स्वागत है। सब कुछ भव्य नहीं है, बहुत फायदेमंद है। यह अच्छी बात है कि बजट में बाकी कृषि, लघु/मध्यम उद्यमों और व्यापार करने में आसानी पर भी ध्यान दिया गया है। कृषि के लिए, देश के 100 अत्यधिक अनुत्पादक जिलों का चयन किया जाएगा और वहां विशेष योजनाएं लागू की जाएंगी। खाद्य तेल और दालों के लिए भी कुछ योजनाएं होंगी। इस सरकार ने खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनने के लिए कुछ साल पहले इसी तरह की योजना शुरू की थी। बेहतर होता कि इसकी सफलता को छोटे/मध्यम स्तर के किसानों के लिए प्रस्तुत किया गया होता। यह आसान होगा और अब से आकार में भी बढ़ेगा। महिलाओं के लिए योजना 'प्यारी बहनों' की याद दिलाती है। इन सबके साथ, वित्त मंत्री ने कहा कि 'व्यापार करने में आसानी' बढ़ाने के लिए कई कानूनों में संशोधन किया जाएगा और कुछ कानूनों को निरस्त भी किया जाएगा। यह आवश्यक था। ऐसे कानूनों को खोजने के लिए एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त की जाएगी और एक वर्ष की अवधि होगी। इस समिति की क्या आवश्यकता है? वास्तव में, सरकार के पास विशेषज्ञ रिपोर्ट होगी कि कितने और कौन से कानून पुराने हैं। धूल साफ करने और उनका पालन करने के लिए नई समिति की भी आवश्यकता नहीं होगी। यदि समय और खर्च किया जाता है, तो प्रस्ताव में शेष भारतीय भाषा पुस्तक प्रकाशन आदि का उल्लेख किया गया है, जो 'गोमूत्र का उपयोग' जैसी पुस्तकों से परे जाना चाहिए।

एक साल पहले घोषित नई कर व्यवस्था अधिकांश के लिए विश्वसनीय नहीं लगती थी। अब नया ढांचा उस नई व्यवस्था से जुड़ने और सभी कामकाजी करदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। अगर आपको 12 लाख रुपये तक टैक्स नहीं देना है, तो यह 4 लाख रुपये से अधिक क्यों है? शायद वित्त मंत्री इसका जवाब देंगे।इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि 2019 के चुनावों से पहले कर-मुक्त आय सीमा को 2.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये और 2023 के बजट में 7 लाख रुपये करते हुए, वित्त मंत्री ने नए पांच साल के कार्यकाल का पहला बजट पेश करते हुए इससे आगे निकल गए हैं। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयकर रिफंड दोगुना हो गया है। इस पीढ़ी के स्वास्थ्य खर्च का ध्यान रखते हुए 36 प्रमुख आवश्यक दवाओं को सस्ता बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस वर्ग को बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी विदेशी निवेश का लाभ भी मिलेगा। नवाचार को बढ़ावा देने के प्रयास अगली पीढ़ी को आकर्षित करेंगे।सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए वित्तपोषण बढ़ाया गया है। सरकार ने उन किसानों को पर्याप्त नहीं दिया है जो 2014 में नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ खड़े थे। सम्मान योजना के तहत किसानों को सालाना दिए जाने वाले 6,000 रुपये में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

एमएसपी, ऋण माफी आदि का कोई उल्लेख नहीं था। इसके बजाय, देश के 100 जिलों में 1.7 करोड़ किसानों के लिए 'प्रधानमंत्री धन-दीना' योजना की घोषणा की गई है। वर्षों से भारतीय कृषि क्षेत्र को त्रस्त करने वाले कृषि उपज में आत्मनिर्भरता का वादा किया गया है, और बिहार में मखाना या महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में कपास की खेती को मजबूत करने के लिए एक योजना की घोषणा की गई है। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है। हालांकि ये घोषणाएं आकर्षक हैं, लेकिन यह निश्चित रूप से किसानों के लिए पर्याप्त नहीं है। उत्तर भारत के कानून ने मध्य और दक्षिण भारत में एमएसपी और बहुप्रतीक्षित ऋण माफी जैसे प्रमुख मुद्दों की अनदेखी की है। यह और भी उल्लेखनीय है कि मध्यम वर्ग वित्त मंत्री के राजकोषीय संकल्प के केंद्र में वापस आ गया है क्योंकि वह 5 ट्रिलियन डॉलर की दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जश्न

क्लैंग के बेयूमास ओवल में आईसीसी महिला अंडर-19 टी-20 विश्व कप 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ी जश्न मनाते हुए।

ट्रंप के साथ 'हमास पर जीत' पर चर्चा के लिए अमेरिका जाएंगे नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ आगामी बैठक में गाजा पट्टी में हमास पर जीत, ईरान का मुकाबला करने और अरब देशों के साथ राजनयिक संबंध बढ़ाने जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे। व्हाइट हाउस में मंगलवार को नेतन्याहू के साथ होने वाली बैठक राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद ट्रंप की किसी विदेश नेता के साथ पहली बैठक होगी। यह बैठक ऐसे समय में होगी, जब अमेरिकी और अरब मध्यस्थ गाजा पट्टी में युद्ध रोकने और बंधकों-कैदियों की अदला-बदली के लिए सोमवार से संघर्ष-विराम समझौते के अगले चरण पर सहमति कायम करने की कवायद शुरू करने वाले हैं।

पिछले महीने संघर्ष-विराम के प्रभावी होने के बाद गाजा पट्टी पर फिर से नियंत्रण हासिल करने वाले चरमपंथी समूह हमास ने कहा है कि वह युद्ध की समाप्ति और इजराइली बलों की पूर्ण वापसी के बाद ही दूसरे चरण में मुक्त किए जाने वाले बंधकों को रिहा करेगा। नेतन्याहू पर उनके गठबंधन सहयोगी मार्च की शुरुआत में संघर्ष-विराम समझौते के पहले चरण की समाप्ति के बाद युद्ध में फिर से उतरने का दबाव बना रहे हैं। नेतन्याहू ने भी कहा है कि इजराइल अब भी हमास पर जीत और सात अक्टूबर 2023 के हमलों के दौरान अगवा किए गए सभी बंधकों की रिहाई के लिए प्रतिबद्ध है। इन हमलों के बाद गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच युद्ध छिड़ गया था। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप का इजराइल-हमास युद्ध को लेकर क्या रुख है।

वह इजराइल के कट्टर समर्थक रहे हैं, लेकिन उन्होंने पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त करवाने का भरोसा दिलाया है और इजराइल-हमास के बीच संघर्ष-विराम समझौता कराने में मदद का श्रेय भी लिया है। इस समझौते के कारण गाजा पट्टी में लड़ाई फिलहाल रुक गई है और इजराइल से लगभग 15 महीने पहले अगवा किए गए 18 बंधकों की रिहाई संभव हो पाई है, जिसके बदले में इजराइल ने सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों को छोड़ा है। नेतन्याहू ने पश्चिम एशिया में शांति स्थापना के ट्रंप के आह्वान का समर्थन किया है। रविवार को वाशिंगटन रवाना होने से पहले जारी बयान में इजराइली प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में हमास सहित अन्य चरमपंथी समूहों को ईरान के समर्थन का जिक्र करते हुए कहा कि वह ट्रंप के साथ हमास पर जीत, अपने सभी बंधकों की रिहाई और ईरान समर्थित आतंकवादी संगठनों से सभी मोर्चों पर निपटने पर चर्चा करेंगे। नेतन्याहू ने कहा कि साथ मिलकर काम करके वे सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं, शांति का दायरा बढ़ा सकते हैं और ताकत के जरिये शांति का एक उल्लेखनीय युग हासिल कर सकते हैं।

हमास के सैकड़ों चरमपंथियों के सात अक्टूबर 2023 को इजराइल पर धावा बोलने, लगभग 1,200 लोगों की हत्या करने और करीब 250 लोगों को बंधक बनाने के बाद दोनों पक्षों में युद्ध छिड़ गया था। नवंबर 2023 में एक हफ्ते के संघर्ष-विराम के दौरान 100 से अधिक बंधकों की रिहाई हुई थी। इजराइली बल आठ बंधकों को जिंदा छुड़ाने में सफल रहे थे, जबकि उन्हें दर्जनों बंधकों के शव बरामद हुए थे। गाजा पट्टी के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजराइल की ओर से किए गए जमीनी और हवाई हमलों में अब तक 47,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

संघर्ष-विराम समझौते के पहले चरण के तहत हमास को कुल 33 बंधकों को रिहा करना है, जिसके बदले में इजराइल लगभग 2,000 फलस्तीनी कैदियों को छोड़ेगा। समझौते के तहत इजराइली बल युद्धग्रस्त इलाके के ज्यादातर हिस्सों से पीछे हट गए हैं, जिससे हजारों विस्थापित फलस्तीनियों के लिए उत्तरी गाजा में अपने घरों की ओर लौटना संभव हो पाया है। युद्ध समाप्त करने और बाकी बचे लगभग 60 बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष-विराम समझौते के दूसरे चरण पर बातचीत सोमवार से शुरू होने वाली है। अगर अमेरिका, कतर और मिस्र इजराइल और हमास के बीच समझौता कराने में नाकाम रहते हैं, तो मार्च की शुरुआत में युद्ध फिर से शुरू हो जाएगा।

युवा दर्शकों को संगीत के प्रति उत्सुक होते देखना रोमांचक : मार्क एल्डर

नयी दिल्ली। ब्रिटेन की संगीत हस्ती मार्क एल्डर का कहना है कि मैनचेस्टर के 'हाले ऑर्केस्ट्रा' के साथ उनके 25 साल के जुड़ाव के दौरान उन्होंने दर्शकों की सोच में बदलाव देखा है और अधिक से अधिक युवाओं को संगीत के प्रति उत्सुक होते देखना रोमांचक है। एल्डर 15 फरवरी को 'वसंत 2025 सीजन' के तहत भारत के 'सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा ऑफ इंडिया' (एसओआई) का संचालन करेंगे। उन्होंने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, यह जानना उत्साहजनक है कि आप युवा दर्शकों तक पहुंच गए हैं और ऑर्केस्ट्रा संगीत के बारे में उनकी राय बदलने में सक्षम हैं। एल्डर ने कहा, युवा दर्शकों को संगीत के प्रति उत्सुक होते देखना रोमांचक है।

एसओआई ने 25 जनवरी को राष्ट्रीय प्रदर्शन कला केंद्र (एनसीपीए) के जमशेद भाभा थिएटर में जुबिन मेहता के नेतृत्व में एक प्रस्तुति के साथ अपने 'वसंत 2025 सीजन' की शुरुआत की थी। पश्चिमी शास्त्रीय संगीत के लगभग एक महीने तक चलने वाले उत्सव में एल्डर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध ओपेरा हस्तियां भी शामिल होंगी, जिनमें रोबर्टा मेन्टेग्ना, ओलेसा पेट्रोवा, लुसियानो गैन्सी और जॉर्ज पेटियन शामिल हैं।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक मुंबई आए, क्रिकेट खेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रविवार को दक्षिण मुंबई स्थित पारसी जिमखाना का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने टेनिस बॉल से क्रिकेट खेलने का लुत्फ उठाया और कहा कि उन्हें खुशी है कि वह ज्यादा बार आउट नहीं हुए। सुनक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, टेनिस बॉल से क्रिकेट खेले बिना मुंबई की कोई यात्रा पूरी नहीं मानी जाती। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पारसी जिमखाना क्लब के स्थापना दिवस समारोह में आप सभी के बीच होकर बहुत खुशी महसूस हो रही है। यह एक असाधारण उपलब्धि है।

इतने सारे इतिहास और इतनी सारी रोमांचक चीजों का गवाह बना। मैं आज सुबह ज्यादा बार आउट नहीं हुआ। सुनक ने कहा कि वह इस तरह की और यात्राएं करने के इच्छुक हैं।

पारसी जिमखाना की स्थापना 25 फरवरी 1885 को की गई थी और सर जमशेदजी जेजीभॉय को इसका संस्थापक अध्यक्ष, जबकि जमशेदजी टाटा को अध्यक्ष नियुक्ति किया गया था। 1887 में पारसी जिमखाना को उसके वर्तमान स्थान सुरम्य मरीन ड्राइव पर स्थानांतरित कर दिया गया था।

अरुणाचल के 'आलो के दूधवाले' की प्रेरक कहानी; 12,000 रुपये की नौकरी छोड़कर शुरू किया सफर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर। अपनी कम वेतन वाली नौकरी से निराश होकर सिविल इंजीनियरिंग का डिप्लोमा रखने वाले डोपे पाडू ने डेयरी फार्म स्थापित करके अपने उद्यमशीलता के सपने को पूरा करने के लिए एक साहसिक कदम उठाया। आज, उनके उद्यम 'गोयम डेयरी फार्म' ने उन्हें अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग जिले में घर-घर में चर्चित कर दिया है। डार्का गांव के रहने वाले 32 वर्षीय पाडू ने अरुणाचल प्रदेश पुलिस हाउसिंग एंड वेलफेयर कॉरपोरेशन में साइट इंजीनियर के तौर पर अपनी नौकरी छोड़ दी।

इस नौकरी में उन्हें 12,000 रुपये प्रति महीने मिलते थे, लेकिन इसके लिए उन्हें पूरे राज्य में काफी यात्रा करनी पड़ती थी। पाडू ने कहा, जीवन सुरक्षित नहीं था और मेरी नौकरी में बहुत यात्राएं शामिल थीं। मुझे तिरप, चांगलांग, लोंगडिंग, तेजू और अनिनी जैसी जगहों पर जाना पड़ता था। विभाग यात्रा खर्च नहीं देता था और कोई यात्रा या महंगाई भत्ता नहीं था। मैं महीने के अंत में 1,000 रुपये भी नहीं बचा पाता था। वित्तीय बाधाओं और स्थिरता की कमी से निराश होकर उन्होंने विश्वास की छलांग लगाने का फैसला किया। उन्होंने कहा, चूंकि मेरा जीवन वहीं रुका हुआ था, इसलिए मैंने डेयरी व्यवसाय में उतरने का फैसला किया।

अपने बड़े भाई से वित्तीय मदद लेकर पाडू ने दिसंबर, 2021 में अपनी यात्रा शुरू की। उनका शुरुआती निवेश गायों की खरीद और शेड बनाने में चला गया। आज, उनके फार्म में जर्सी, एचसीएफ और साहीवाल सहित विभिन्न नस्लों की 30 गायें हैं, जिन्हें हरियाणा, राजस्थान और अन्य राज्यों से मंगाया गया है।

पाडू कहते हैं, मैं उन्हें डेयरी राशन, मवेशी चारा बोबिनो और चापोर खिलाता हूं, जो मैं असम के सिलापाथर, डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया से खरीदता हूं। अपने खेत का प्रबंधन करने के लिए, पाडू ने एक डिलिवरी बॉय सहित सात मजदूरों को काम पर रखा है। 'आलो के दूधवाले' के नाम से मशहूर पाडू सुबह के समय पूरे आलो कस्बे में और दोपहर के समय रामकृष्ण मिशन स्कूल, काबू, सिपु पुई और दारका गांवों में दूध पहुंचाते हैं।

अधिकतम उत्पादन के समय, उनके फार्म में प्रतिदिन 100 लीटर से अधिक दूध का उत्पादन होता है। हालांकि, उनकी कई गायों के बछड़े होने के कारण वर्तमान उत्पादन घटकर 60-70 लीटर प्रतिदिन रह गया है। पाडू की सफलता उनकी मासिक आय तीन लाख रुपये से अधिक से स्पष्ट है, जिसमें दूध की कीमत 120 रुपये प्रति लीटर है। मवेशियों के चारे पर एक लाख रुपये खर्च करने और अपने कर्मचारियों को वेतन देने के बाद, वह हर महीने लगभग एक लाख रुपये बचाते हैं। दूध के अलावा, वह 1,000 रुपये प्रति किलो पनीर और 200 रुपये प्रति किलो दही बेचते हैं।

पाडू ने कहा, आलो में डेयरी के लिए बहुत संभावनाएं हैं क्योंकि यहां वस्तुतः कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में दूध की अधिकांश आपूर्ति गैर-स्थानीय लोगों से होती है जो छोटे क्षेत्रों या कॉलोनियों में दूध की आपूर्ति करते हैं। अपनी आय में विविधता लाने के लिए, उन्होंने अपने खेत के पास तीन मछली तालाब भी बनाए हैं। पाडू ने कहा, मैं सभी प्रकार की मछलियां पालता हूं, और उन्हें गोबर खिलाया जाता है।

महिला प्रशंसक को चूमने का वीडियो सामने आने के बाद विवादों में घिरे उदित नारायण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। संगीत कार्यक्रम में एक महिला प्रशंसक को चूमने का वीडियो सामने आने के बाद गायक उदित नारायण विवादों में घिर गए हैं। वीडियो में उदित नारायण कार्यक्रम में महिला प्रशंसक को उस समय चूमते नजर आ रहे हैं, जब वह सेल्फी लेते समय उनके गाल पर चुंबन लेने के लिए झुकती है। 'पीटीआई' ने जब नारायण (69) से संपर्क किया तो उन्होंने इस विवाद पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। वीडियो में नारायण को महिला प्रशंसकों को चुंबन देते हुए देखा जा सकता है। नारायण उस वक्त फिल्म मोहरा का गाना टिप टिप बरसा पानी गा रहे थे। सोशल मीडिया पर प्रसारित

एक क्लिप में गायक सुरक्षा कर्मियों से सेल्फी लेने का प्रयास कर रही एक महिला प्रशंसक को मंच के पास आने देने के लिए कहते हुए नजर आते हैं। जब वह नारायण के साथ फोटो क्लिक करने के लिए उनके करीब जाती है, तो वह उनके गाल पर चूम लेती है, जिसके बाद गायक को भी जवाब में उनके होठों पर चूमते हुए देखा जा सकता है। नारायण के संगीत कार्यक्रम की तारीख और स्थान की फिलहाल पुष्टि नहीं की जा सकी। नारायण मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, मैं यहां हूं और ऐ अजनबी जैसे कई मशहूर गानों को आवाज दे चुके हैं।

सोशल मीडिया के कई उपयोगकर्ताओं ने नारायण से माफी की मांग की और उनके कृत्य को अनुचित कहा। 'एक्स' पर एक उपयोगकर्ता ने लिखा, उदित नारायण ने बहुत गलत हरकत की। मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है, लेकिन किसी लड़की को जबरन चूमना अपराध है। उनके खिलाफ उत्पीड़न का मामला दर्ज होना चाहिए। एक उपयोगकर्ता ने कहा कि नारायण ने अपने करियर के दौरान बहुत सम्मान प्राप्त किया है लेकिन सिर्फ एक चुंबन ने उनकी छवि को बर्बाद कर दिया।

दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति ने राष्ट्र-निर्माण में हिंदू समुदाय की भूमिका को सराहा

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति पॉल माशातिले ने बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण (बीएपीएस) संस्था के बहु-सांस्कृतिक केंद्र और मंदिर के प्रथम चरण का उद्घाटन करते हुए कहा कि बीएपीएस के सिद्धांत दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रीय लोकाचार उबुंटू से मिलते-जुलते हैं।

माशातिले ने स्थानीय हिंदू समुदाय की प्रशंसा करते हुए कहा, हमें राष्ट्र निर्माण में हिंदू समुदाय की भूमिका पर विचार करना चाहिए। इस समुदाय की सांस्कृतिक विरासत एवं मूल्य समृद्ध हैं और इसने हमारे विविधतापूर्ण समाज के सामाजिक ताने-बाने को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आधिकारिक उद्घाटन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने बीएपीएस और दक्षिण अफ्रीकी लोकाचार के बीच समानताएं रेखांकित करने का प्रयास किया।

दौरा

अमृतसर में केंद्र सरकार का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल रविवार को हेरिटेज स्ट्रीट पर टाउन हॉल में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की क्षतिग्रस्त प्रतिमा स्थल का दौरा किया। प्रतिमा 26 जनवरी को क्षतिग्रस्त हो गई थी, जब एक व्यक्ति ने इस पर चढ़कर हथौड़े से प्रहार किया था, साथ ही पास में संविधान की पुस्तक की मूर्ति को भी नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया था।

मेरे हसबैंड की बीवी का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह की आने वाली फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' के ट्रेलर में लव ट्रायंगल नहीं बल्कि 'सर्कल' देखने को मिला है।फिल्म मेकर्स ने ट्रेलर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, इस सीजन के सबसे बड़े पागलपन के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि ये लव ट्रायंगल नहीं, फुल सर्कल है! 'मेरे हसबैंड की बीवी' का ट्रेलर आउट हो चुका है। फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी' फिल्म का ट्रेलर काफी मजेदार है।इसकी कहानी अर्जुन कपूर के किरदार और उसकी दो बीवियों के इर्द-गिर्द घूमती है।ट्रेलर में नजर आता है कि अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर पूर्व पति-पत्नी हैं।भूमि की याददाश्त खो जाती है और वह पिछली बातें भूल जाती है। ट्रेलर में अर्जुन कपूर भूमि और रकुल के बीच फंसते नजर आये । कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' 21 फरवरी को रिलीज होगी। इस फिल्म के निर्देशक मुदस्सर अजीज और निर्माता वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख हैं।

काजोल ने कर्नाटक सरकार के 'राइट टू डाई विद डिगनिटी' कानून को बताया ऐतिहासिक

मुंबई/एजेन्सी

कर्नाटक सरकार ने शनिवार को सम्मान के साथ मरने का अधिकार (राइट टू डाई विद डिग्निटी) कानून लागू कर दिया है, जिस पर अभिनेत्री काजोल ने प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर काजोल ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया। काजोल सोशल मीडिया पर किसी भी मुद्दे पर बेबाकी के साथ अपनी राय रखती हैं।

चाहे प्रोजेक्ट्स से जुड़ी खबर हो या फैमिली इवेंट, वह प्रशंसकों के साथ नए-नए पोस्ट शेयर करती रहती हैं। अभिनेत्री ने कर्नाटक में लागू नए कानून की सराहना करते हुए इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में इसे ऐतिहासिक कदम बताया। एक न्यूज पेपर की कटिंग को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए कर्नाटक भारत का पहला राज्य बन गया है, जिसने गंभीर रूप से बीमार लोगों के लिए सम्मान के साथ मरने के अधिकार के लिए कानूनी ढांचा तैयार किया।

यह कानून एक समाधान के तौर पर मानवीय, कानूनी रूप से स्वीकृत प्रक्रिया देता है। इसके साथ ही अभिनेत्री ने साल 2022 में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'सलाम वेंकी' का भी जिक्र किया। 'सलाम वेंकी' का निर्देशन रेवती ने किया था। फिल्म वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित है, जो एक मां (काजोल) और उसके बेटे (विशाल जेठवा) जो ड्यूचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित रहता है की कहानी को पर्दे पर दिखाती है। '

सलाम वेंकी' में मरीज सम्मानजनक मौत के लिए सिस्टम से कानूनी रूप से लड़ाई लड़ता है। वहीं, शेयर की गई न्यूज पेपर कटिंग में लिखा था, कर्नाटक सरकार ने गंभीर रूप से बीमार लोगों को 'सम्मान के साथ मरने का अधिकार' दिया है। बता दें, कर्नाटक इस कानून को लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

इस कानून के तहत गंभीर रूप से बीमार या लाइलाज रोग से पीड़ित मरीज यह निर्णय ले सकते हैं कि वह अपने इलाज (दवाइयों या वेंटिलेटर) को जारी रखना चाहता है या नहीं। इस बीच वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल 'दो पत्ती' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई थी। फिल्म में कृति सेनन डबल रोल में नजर आई थीं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के नमिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में रविवार को वसंत पंचमी के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष अनुष्ठान में साधकों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य ने कहा कि जैन परंपरा में सरस्वती की साधना बहुत पुरानी हैं।

'लक्ष्मी से पहले जीवन में सरस्वती आवश्यक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कड्डूर। शहर के नमिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में रविवार को वसंत पंचमी के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष अनुष्ठान में साधकों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य ने कहा कि जैन परंपरा में सरस्वती की साधना बहुत पुरानी हैं। आज भी हजारों वर्ष पुरानी जैन सरस्वती की मूर्तियां, उसके मंत्र और साधना के कल्प उपलब्ध हैं।मथुरा के सरकारी संग्रहालय में सुरक्षित जैन सरस्वती की मूर्ति 1900 वर्ष प्राचीन हैं और उस पर ब्राह्मी लिपि में शिलालेख अंकित हैं। प्राप्त साक्ष्यों के अनुसार विश्व की यह सबसे पुरानी सरस्वती की मूर्ति हैं। प्राचीन काल में जैनाचार्य अपने मंदबुद्धि के शिष्यों को ज्ञानवान बनाने के लिए विविध जड़ीबूटियों से गुटिकाएं बनाकर उन्हें सरस्वती के सिद्धमंत्रों से अभिमंत्रित करते थें। उनके इन प्रयोगों के सैकड़ों उल्लेख जैनशास्त्रों में देखने को मिलते हैं। आज भी ऐसे प्रयोग पूर्ण वैज्ञानिक हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन में लक्ष्मी और सरस्वती, दोनों की परम आवश्यकता होती हैं। दोनों मूल्यवान हैं, लेकिन लक्ष्मी से पहले जीवन में सरस्वती का आगमन आवश्यक है।

सरस्वती के आने के बाद लक्ष्मी सही रास्ते से ही घर में आयेगी और उसका व्यय भी गलत रास्ते पर नहीं होगा। दूसरी एक महत्वपूर्ण बात सदैव स्मरण में रहनी चाहिए कि जीवन में लक्ष्मी यदि पहले आ गई तो वह सरस्वती को घर आने नहीं देगी। सरस्वती किसी के लिये समस्या नहीं बनती, पर लक्ष्मी सरस्वती के लिये समस्या बन सकती है।

इसीलिए जीवन में लक्ष्मी की साधना से पहले सरस्वती की आराधना की जानी चाहिए। ज्ञान की देवी सरस्वती की कृपा जिस पर भी बरसती है, वह निहाल हो जाता है। अच्छी बुद्धि, सही निर्णय क्षमता, कार्यकुशलता, वाकपटुता, गीत-गायन, सकारात्मक सोच, भलाई की भावना, सात्विक वृत्ति, सब सरस्वती से आते हैं।

रविवार को अनुष्ठान के लिए दक्षिण भारतीय शैली की कदम काष्ठ की बनी सरस्वती की मनोहारी मूर्ति और विशाल ताम्रयंत्र पीठिका पर स्थापित किए गए। विविधि प्राचीन मंत्रों के द्वारा उनकी पंचप्रकारी पूजा की गईं। चंदन का चूर्ण, मोगरे के पुष्प, सुगंधित धूप, घृत की ज्योत तथा नैवेद्य और फल पूजन के लिए सभी साधकों को प्रदान किए गए। स्थानीय श्राद्धालुओं के साथ चिक्कमगलूर, हासन, बाणावर, बिरूर, तरीकेरे, टिपटूर, चलकेरे, भद्रावती, शिवमोगा आदि क्षेत्रों के 300 से अधिक भक्तगण इस अनुष्ठान में सहभागी बने। ज्ञान और सरस्वती के संगीतमय मंत्रजाप किए गए।

आशापुरा माताजी पाट महोत्सव पर भंडारी भाईपा का वार्षिक स्नेहमिलन सम्पन्न

तीनों देवी देवताओं को लगाए गए विशेष भोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आशापुरा माताजी भंडारी जैन ट्रस्ट द्वारा आयोजित 26वां भंडारी भाईपा स्नेहमिलन बसंत पंचमी पर श्रद्धा और उल्लास के साथ आशापुरा माता धाम में मनाया गया। मंदिर में वसंत पंचमी के अवसर पर विशेष हवन-पूजन का आयोजन किया गया। भक्तों ने विनायकजी को भोग, श्री खेतलाजी को भोग एवं श्री आशापुरा माताजी के 56 भोग अर्पण हेतु तीन प्रदक्षिणाएँ देकर मंदिर में प्रविष्ट हुए। मंदिर में सुबह आयोजित भक्ति संध्या में श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर रहे। इस दौरान ट्रस्ट द्वारा आशापुरा धाम के 12 महीने की अष्टप्रकारी पूजा का चढ़ावा बोला गया, जिसमें भंडारी परिवारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। तत्पश्चात श्री विनायकजी, श्री खेतलाजी एवं श्री आशापुरा माताजी को विशेष आरती और भोग अर्पित किया गया। विशेष रूप से 56 भोग अर्पण के साथ भक्ति गीतों की प्रस्तुति हुई एवं 108 दीपों से माता की महाआरती का आयोजन हुआ। समस्त श्रद्धालुओं को रक्षा पोटली एवं प्रसादी का वितरण किया गया। प्रातःकालीन भजन संध्या सुनील परमार एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत की गई। हवन-पूजन का विधिवत संचालन निरंजन पंडितजी एवं उनकी टीम द्वारा संपन्न हुआ। चढ़ावे के संचालन की जिम्मेदारी विनोद भंडारी एवं पारस भंडारी ने निभाई।

दोपहर में भंडारी भाइपा स्नेहमिलन समारोह आरंभ हुआ। ट्रस्ट अध्यक्ष मदनलाल भंडारी ने स्वागत भाषण देते हुए सभी का सम्मान किया।

कोषाध्यक्ष निर्मल भंडारी ने वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत की, जबकि पारस भंडारी ने आशापुरा धाम की गतिविधियों एवं आगामी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। समारोह में तपस्वियों एवं भोजनशाला लाभार्थियों का सम्मान किया गया। लकी ड्रॉ के माध्यम से विभिन्न पुरस्कार वितरित किए गए।

इस अवसर पर ट्रस्ट मंडल में 11 नए ट्रस्टी शामिल हुए एवं कुछ ट्रस्टी आजीवन से संस्थापक ट्रस्टी बने। महिला मंडल एवं युवा मंडल के सदस्यों ने व्यवस्था संभाली। ट्रस्ट मंडल के सदस्यों ने समर्पण भाव से सहयोग देकर इस आयोजन को सफल बनाया।

सुशीलधाम में उपधान तप पूर्णाहूति पर मोक्षमालारोपण समारोह संपन्न

सुराणा परिवार ने की चातुर्मास एवं उपधान का निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पार्श्व सुशीलधाम में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म.सा. की निश्रा में में 47 दिवसीय उपधान तप की पूर्णाहूति के अवसर पर रविवार को मोक्षमालारोपण समारोह में आराधकों को मोक्षमाला पहनाई गई। इस मौके पर आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म.सा. ने कहा कि हालांकि उपधान का मुख्य उद्देश्य तो ज्ञान प्राप्ति हेतु आत्मा को योग्य बनाने का है फिर भी उपधान के दौरान अपनाई जाने वाली प्राकृतिक जीवनशैली पर गौर किया जाए तो पता चलता है कि आधुनिक विज्ञान जिसे सिर्फ पर्यावरण या प्राकृतिक संसाधन के रूप में पहचानता है। उन पृथ्वी, पानी, अग्नि, वायु और वनस्पति में निहित जीवन की मान्यता के आधार पर रचित भारतीय जीवनशैली में पर्यावरण सुरक्षा का कार्य सहज ही हो जाता है जो अरबों रुपयों के सरकारी खर्च से भी संभव नहीं हो पाता। उपधान द्वारा भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच भीतर उतरने का अवसर प्राप्त होता है । उपधान श्रावक जीवन का कर्तव्य है और प्रत्येक साधक को इसका अवश्य आस्वाद लेना चाहिए। आर्य संस्कृति में योग्यता के आधार पर ज्ञानदान करने की उत्तम प्राचीन परंपरा की झलक उपधान में देखने को मिलती है जहां नमस्कार महामंत्र और शास्त्रज्ञान को गुरुमुख से प्राप्त करने की पूर्वभूमिका के रूप में आत्मा को तप, विनय और क्रिया के माध्यम से तैयार कर उसमें योग्यता प्रगट की जाती है। विनय द्वारा ही सच्चा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है जो स्व-पर के लिए हितकारी होता है। अयोग्य व्यक्ति के हाथ में गया ज्ञान स्व-पर के लिए नुकसानकारी होता है। यहां गुरुभगवंतों के साथ रहने से अनुशासन, खुद का काम खुद करने के कारण स्वावलंबन, समूह में रहने से परिवार भावना,व्यस्त दिनचर्या से समयबद्धता, मोबाइल-सोशल मीडिया से दूर रहने से आंतरिक शांति,घर-परिवार से अलग रहने से आत्म निरीक्षण का अवसर, स्वेच्छा से समझपूर्वक आरामदायक जीवनशैली को छोड़ छोटे-छोटे कष्टों को अपनाने से सहिष्णुता आदि ढेर सारे गुणों का विकास होता है।

इस अवसर पर तीर्थ निर्माता भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा परिवार द्वारा सुशीलधाम में वर्ष 2026 के समर वेकेशन उपधान एवं कुमारापार्क में स्वद्रव्य से निर्मित नूतन आराधना भवन में वर्ष 2026 के चातुर्मास के लिए निवेदन किया। पहली मोक्षमाला 12 वर्षीय आराधक रेयांश सोनेगरा ने पहनी । गुरुपूजन का लाभ तारादेवी अशोक भुरट परिवार ने किया। मुंबई निवासी मुमुक्षु भव्य शाह का दीक्षा मुहूर्त 6 फरवरी को आचार्य श्री युगभूषणसूरीश्वरजी म.सा. की निश्रा में आयोजित 4 दीक्षाओं के अवसर पर प्रदान किए जाने की भी घोषणा की गई। सीमंधर-शांतिसूरी जैन संघ की ओर से उपधान तप व्यवस्थापक कल्याण मित्र परिवार का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन मीठालाल पावेचा एवं अमन सोमावत ने किया। अनेक तीर्थों से जुड़े रमेश मुथा, भाजपा के निर्मल सुराणा और माइक्रो लैब्स के आनंद सुराणा ने भी आचार्यश्री का आशीर्वाद लिया। उपधान व्यवस्थापक कल्याण मित्र परिवार के सदस्य महेंद्र चोरड़िया ने धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कविता

अयोध्या श्री राम की

लल्ला विराजमान की
माटी है बलिदान की
मर्यादा सुगंधित सर्वतः
जन्मभूमि योग्य शत
कोटि कोटि प्रणाम की
अयोध्या श्री राम की।

कैसे करे कोई विश्वास
राज्याभिषेक बना वनवास
थम सा गया रघुवंश रथ
उजड़ा महल गमन पथ
राजकुमार संग जानकी
अयोध्या श्री राम की।

तड़पा चौदह वर्ष वियोग
तब बना रामराज संयोग
भूले नहीं चक्रवर्ती बैराग
सीता माँ का महा त्याग
गढ़ी निशानी हनुमान की
अयोध्या श्री राम की।

डूब गया अश्रु में नगर
ली जल समाधि मगर
सूर्य की अविरल धारा
इस सरयू में करती इशारा
नतमस्तक भगवान की
अयोध्या श्री राम की।

हुए आक्रमण सटक
निरंतर पाँच शतक
साधु संतों ने सहे प्रहार
कारसेवक ना माने हार
जंग लड़ी स्वाभिमान की
अयोध्या श्री राम की।

पूर्ण आहुति हुई स्वीकार
गूँज उठी फिर जयजयकार
गगन चुम्बी पुनः निर्माण
रोम रोम पुकारे राम नाम
भगवा ध्वज के शान की
अयोध्या श्री राम की।

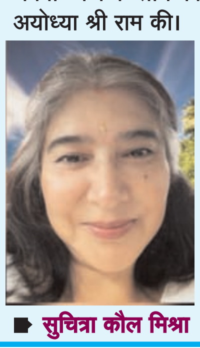

सुचित्रा कौल मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्लड ऑन व्हील

अभातेयुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने तेयुप विजयनगर द्वारा एमबीडीडी के अंतर्गत राजस्थान मित्र मंडल के सहयोग से आयोजित ब्लड ऑन व्हील शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंडल टीम एवं तेयुप टीम से मंत्री संजय भटेवरा, विजयनगर परिषद अध्यक्ष व तेयुप कार्यकारिणी सदस्य मनोज बैद एवं अनेक सदस्यों ने किया रक्तदान। मुख्य प्रायोजक बाबूलाल, अशोककुमार दक परिवार के सौजन्य से आयोजित इस शिविर में टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, गांधीनगर सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, राजस्थान मित्र मंडल अध्यक्ष महेंद्र टेबा, तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यज्ञशाला पूजा

वेल्लोर स्थित महालक्ष्मी स्वर्ण मंदिर के पीठाधीश शक्ति अम्मा ने कलसपालयम में मुथु मरियम्मन मंदिर के महाकुंभभिषेकम (अभिषेक) के लिए शनिवार को यज्ञशाला कर पूजा की। इस मौके पर शक्ति अम्मा ने भक्तों को आशीर्वाद दिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

एक शाम गौमाता के नाम भजन संध्या का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीकृष्ण गौशाला होसूर भण्डे के परिसर में स्वामी पुखराज महाराज के सान्निध्य में एक शाम गौमाता के नाम भजन संध्या का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गोमाता के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। कैलाश पंवार की गणेश स्तुति से शुभारंभ हुआ। राजस्थान से आए भजन गायक ओम मुडेल ने मायड़ भाषा में मधुर लोक भजनों की प्रस्तुति दी। स्वामी पुखराजजी महाराज ने कहा कि गौ बचेगी तो देश की संस्कृति बचेगी। उन्होंने कहा कि गाय व सृष्टि का आपसी संबंध गहरा है। गाय कि नित्य सेवा करने से पुण्यार्जन होता है।

समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने कहा कि गाय की सेवा कर हम अपना जीवन धन्य कर सकते है। घर में गाय पालने से सभी प्रकार के वास्तु दोष व नकारात्मक उर्जा नष्ट हो जाती है। मुणोत ने गौशाला को आर्थिक सहयोग देते हुए भक्तों को गो सेवा के लिए प्रेरित किया। गोभक्त प्रकाश चौहान ने आर्थिक सहयोग देते हुए कहा कि हमें संकल्पित रूप से साझा प्रयास कर गौसेवा करनी होगी तभी गौवंश को बचाया जा सकता है।

समाजसेवी विश्नोई ने कहा कि प्रत्येक व्यकि को गौ सेवा हेतु आगे आना चाहिए। भजन संध्या में ओम मुडेल ने प्रस्तुत भजन- गौमाता की रक्षा करोला तो हो जावेला बेड़ा पार...पर पूरा परिसर जय श्रीराम के उदघोष से गुंजायमान हो गया। गोसेवा के लिए आर्थिक सहयोग देने वाले गो भक्तों का स्वामी पुखराज महाराज ने सम्मान किया गया। भजन गायक ओम मुडेल का सम्मान महेंद्र मुणोत व स्वामी पुखराज महाराज ने किया। इस अवसर राकेश देशरला, सुरेश सैणचा सहित अनेक गौभक्त उपस्थित रहे। मंच संचालन मोहन सीरवी ने किया।

दादा गुरुदेव की आरती में बच्चों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री सीमंधर स्वामी राजेंद्र सूरी जैन श्वेतांबर मंदिर मामूलपेट के तत्वावधान में दादा गुरुदेव की विशेष आरती एवं भक्ति का आयोजन किया गया। दादा गुरुदेव की पूजा करने वाले बच्चों ने खूब आनंद लिया। गायक पूजा ने भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को भाव विभोर कर दिया। दादा गुरुदेव की पूजा करने वाले 61 बच्चों को इस मौके पर पुरस्कृत किया गया। आरती का लाभ दिनेशकुमार हस्तीमल सदानी, सरत वाले ने लिया। राज राजेंद्र भाग्य भक्ति लकी ड्रा की प्रथम विजेता पूजा लुनिया को पुरस्कृत किया गया।

मंडल के अध्यक्ष चम्पालाल गादिया, नीतेश कुमार, जेठमल कोठारी, कौशिक लुनिया, दिनेश चौहान सहित अनेक गणमान्य इस मौके पर उपस्थित थे।

बाबोसा भगवान के जन्मोत्सव में अर्पण किया गया ऐतिहासिक छप्पन-भोग

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रविवार को राजराजेश्वरी नगर स्थित श्रीबालाजी बाबोसा भगवान मंदिर प्रांगण में आराधिका मंजू बाईसा के आशीर्वाद से बसंत-पंचमी की शाम को बाबोसा का जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर जन्मोत्सव के मौके पर 1156 प्रकार के विभिन्न व्यंजनों से छप्पन भोग अर्पण किया गया। इस मौके पर भजनों की प्रस्तुतियां दी गई, जिसमें बाबोसा की लाडलियां,बाबोसा कमांडो फोर्स एवं सभी बाबोसा भक्तों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। भजन गायक मनीष पगारिया के मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में बाबासा भक्त उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com